घटनायें भविष्यवाणी के द्वारा सपष्ट हुई

आइए अब हम प्रार्थना के लिए अपने सिरों को झुकाये। हमारे प्रभु परमेश्वर, स्वर्ग और पृथ्वी के महान सृष्टिकर्ता, जो यीशु को मृतको में से फिर वापस ले आया, और हमारे साथ इन दो हजार वर्षों से जीवित है, अपने वचन की पुष्टी करने के लिए सदा जीवित है और हर पीढ़ी के लिए इसे सच्चा ठहराता है। इस समय हम उसकी दिव्य उपस्थिति के लिए बहुत ही धन्यवादित हैं, यह जानते हुए कि हमारे पास यह एक महान आश्वासन है, कि इस जीवन के पूरा हो जाने के पश्चात, हमारे पास इस आने वाले जगत में अनंत जीवन है। प्रभु, इसके लिए धन्यवाद। और वह आशा, प्राणो के लिए लंगर, जो कि तूफान के समय में एक निश्चित रूप में स्थिर रहता है। और जब तूफान आता हैं, और बड़ी–बड़ी लहरें उठती हैं, उसमें विश्वास करने के द्वारा हम अनुभव करते हैं कि हम लहर को प्रेम से स्पर्ष कर सकते है।

2 आज रात्री, परमेश्वर, हमारी सहायता करें जब हम रोगियों की सेवा के लिए आते हैं और आवश्यकता में पड़े लोगो की। हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, कि जब आज रात्री हम यहां से जाते है, तो एक भी रोगी व्यक्ति हमारे मध्य में ना हो। होने दे कि तेरी दिव्य सामर्थ से प्रत्येक व्यक्ति चंगा हो, यहां और सारे राष्ट्र में, जो प्रसारण द्वारा सुन रहे हो, होने दे कि एक भी निर्बल व्यक्ति किसी भी भवन या किसी झुण्ड में से आज रात्री बाहर न जाए। आपका आत्मा उन्हें चंगाई दे। धर्म का महान सूर्य, अपने पंखों में चंगाई के साथ, उठे, और विश्वास की किरणे प्रत्येक के हृदय में, जैसे कि यह वचन को सुनते है पहुंच जाये, पवित्र आत्मा के प्रगटीकरण को देखे उन्हें स्वीकार करवाये कि वह अब भी जीवित है। इन आशीषों के लिए हम पिता यीशु के नाम में प्रार्थना करते हैं। आमीन।

आप बैठ सकते हैं।

3 हम निश्चय ही इस अच्छे विशेषधिकार को समझते है कि फिर से आज रात्री यहां पर है, फिर से, की लोगों से—से बोले और बीमारों के

लिए प्रार्थना करे। हम उन्हें शुभकामनाए देना चाहते हैं जो इस प्रदेश से बाहर उस—उस टेलीफोन कनेक्शन को फिर से जोड़े हुए हैं, सारे राष्ट्र में। और इसलिए हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आप में से प्रत्येक को आशीषित करेगा, विश्वास करते है कि वे सब जिन्होंने मसीह को इस प्रात: स्वीकार किया है, वे पवित्र आत्मा से भर जायेंगे और जब तक पृथ्वी पर जीवन समाप्त ना हो जाये सदा विश्वासयोग्य और उसके प्रति सच्चे रहेगे, इस मरणहार जीवन में। और तब उनके इसे करने के द्वारा, उन्हें अनंत जीवन मिलेगा। वे इस आने वाले युग में कभी नहीं मरेंगे, उस महान युग को जिसकी हम राह देखते हैं।

4 अब हम यह कहने जा रहे हैं, जबकि मैं इस पर सोच रहा हूं, विघ्न डालने के लिए नही। भाई वायल यहां है, और सम्भव है मैं इसे देख नही सक रहा हूं। मैं कर... क्या मैं यह लेख आपके पास भेज सकता हूं, जब मैं ट्यूसान वापस जाता हूं? मैं इसे देख रहा हूं, अभी तक पूरा नहीं पढ़ा है, और जैसे ही मैं ट्यूसान पहुंचूंगा, मैं आपको जल्द ही भेज दूंगा।

5 अब मैं एक उदघोषणाये करना चाह रहा हूं। यह विशेषकर कलीसियाओ के लिए हर जगह, विशेषकर पश्चिम में, या कहीं भी जो आना चाहते हैं। हमारे अच्छे भाई, भाई पेरी ग्रीन, जो साथ... यहां ये वह व्यक्ति है जो कि इस टेलीफोन प्रसारण को प्रोत्साहक करने वाला है। प्रभु ने उसके ह्रदय में यह दिया कि वह यहां ट्यूसान में आकर हमसे मिले, और ट्यूसान में बेदारी आरंभ करें, जिसकी हमें वास्तव में आवश्यकता है। और भाई पेरी ट्यूसान में होंगे। यदि आप उनसे मिलना चाहते हैं, तो हमारे वहां के दफ्तर से सम्बन्ध स्थापित करे। यह अगस्त 10वी, 11वी, 12वी और 13वी में होगी। उसके ह्रदय पर यह बहुत समय से था, और मैंने उसे बताया कि "केवल एक मार्ग है कि इसे अपने ह्रदय से उतारे, कि जाकर इसे करो।" और वह एक मसीही भाई है, परमेश्वर का वास्तविक दास। और आप जो ट्यूसान में है, मैं जानता हूं कि आप लोग आशीषित होंगे जैसे कि वह वहीं कहीं सेवकाई करता है, सम्भवत: रमादा इन या जहां कहीं भी प्रभु स्थान को देता है, उसे यहाँ नहीं मिला। लेकिन मैं जानता हूं कि आप आकर भाई ग्रीन को सुनेंगे, तो आशीषित होंगे जैसा कि वह परमेश्वर के वचन को समझाते हैं, सम्भवत: बीमारों के लिए प्रार्थना करते है, या परमेश्वर के अभिषेक में करने के लिए जो भी होता है।

6 हम भाई ओरमन नेविल, भाई मान का भी, उनके साथ इस अच्छे समय की संगति के लिए धन्यवाद करते है। मैं कितना आभारी हूं, कि मैं भाई नेविल, भाई मान, जैसे लोगो से जुड़ा हुआ हूं, और यहां आस पास के सारे सेवक गण। मैं समझता हूं उन्होंने पहचान लिया है। यदि आप हमारे बोर्ड और हमारी कलीसिया से जो यहां है नही है, तो मैं निश्चित हूं कि परमेश्वर आपको अपने सेवकों के समान पहचानता है। होने पाए कि प्रभु आपको सदा आशीष दे।

7 अब, मुझ एक छोटी सी टिप्पणी लिख कर दी गयी है, और उसमें मुझ से छोटी सी बात पूछी गयी है... एक रात्री उन लोगो की यहां ट्रस्टी सभा हुई, बोर्ड ओक ट्रस्टी और डिकन की, और मैं सोचता हूं कि कार्य विवरण आज प्रात: कलीसिया के सामने पढ़ा गया। जो कि, यह करना हमारे लिए रिवाज है। वे निर्णय जो बोर्ड ओफ ट्रस्टी और डिकनो के द्वारा यहाँ कलीसिया में लिए गए है, निश्चय ही, यह सब को प्रसन्न नहीं कर सकते। हम यह नहीं कर सकते। मेरा ट्रस्टी बोर्ड से कोई मतलब नही है या डिकन बोर्ड से। मेरे उसमे वोट भी नहीं है, जब तक वहां बराबरी ना हो, और तो फिर यह करने के लिए मुझे यहां होना है, भाई नोमन नेविल दूसरा वोट लेते हैं। तब हमें इस पर देने होते हैं, क्योंकि हम कलीसिया के भाग हैं। परन्तु ट्रस्टी बोर्ड और वे बोर्ड के निर्णय जो वे लेते हैं, हम निश्चय ही सौ प्रतिशत उसके पक्ष में होते हैं, क्योंकि वे इसी लिए यहां पर हैं। और उनके निर्णय उनके और परमेश्वर के बीच में हैं। मेरा किसी भी प्रकार से उनके निर्णय से मतभेद ना तो, हो सकता है और ना होयेगा। और दूसरी बात, संयुक्त राज्य की सरकार द्वारा मुझे कोई भी निर्णय लेने की मनाही है, इस सम्बन्ध में, इसलिए उनके निर्णयों को ठीक करने के लिए मुझ से ना कहे। मैं इसे नहीं कर सकता, और मैं इस विषय में कुछ भी नहीं सुनूंगा। समझे? इसलिए उनके निर्णयों को ठीक करने के लिए मुझसे ना कहे। आप देखिए कि बोर्ड ही हैं, जो निर्णयो को करता हैं। ठीक है।

8 अब आने वाली सभा में, यह संभव है, यदि प्रभु चाहेगा तो, मैं यहां चार से छह सप्ताहो में वापस आऊंगा, या ऐसा ही कुछ, हो सकता है दूसरे रविवार की सभा के लिए। और इस प्रात: मैंने घोषणा की है कि मैं *परमेश्वर अपने वचन में प्रगट हुआ* पर बोलुंगा, और आज रात्री मेरे पास समय नहीं होगा, और, खुले रूप में, मेरे पास यह करने के लिए मेरे पास पर्याप्त आवाज नहीं है। और फिर भीड़, वहाँ जितने बाहर है उतने ही अंदर है,

और, सम्भवत: है अधिक हो, उन बसों और ट्रकों और चीजों को गिनते हुए जो बाहर जिसमें लोग बैठे हुए हैं। वह छोटा प्रसारण उसको बढ़ाया है थोड़ा सा कि हम सुन सके, यह छोटा सा प्रसारण, आराधनालय से छोटी सी तरंग, हम इसे शहर के खण्ड की दूरी से पकड़ सकते हैं। और कुछ कारें बहुत सी कोलनियो खण्ड की दूरी से, कारो की कतारे, ऊपर और नीचे, और चारों ओर और गलियों में, आज रात्री आराधनालय के चारों ओर। मैं नही विश्वास करता कि कभी भी, इतने लोग का जमघट कभी यहां अन्दर और आराधनालय के चारो ओर हुआ, जितना आज है। इसलिए हम लोग... और बहुत सारे, बहुत, बहुत कार चला कर आए और वापस चले गए।

9 इसलिए यह दर्शाया जाता है, "जहाँ लोथ है, उकाब जमा होंगे।" और मैं आपसे आज रात्री, इस लोग के छोटे झुण्ड में कह सकता हूं, यह अंतरराष्ट्रीय झुण्ड है। व्यावहारिक रूप में सयुक्त राज्यों के दो तिहाई का यहां प्रतिनिधित्व है, पांच विदेश के राष्ट्रों को छोड़, यहां तक की रूस, और राष्ट्र के विभिन्न भाग के लोग। वहां दूर नीचे वेनेज़ुएला, बाहर जमैका में, राष्ट्र के सारे विभिन्न भाग के, लोग यहां पर हैं, परमेश्वर के लिए भूखे और प्यासे है। क्या ही शानदार समय है!

10 अब बाईबल को पढ़ने से पहले, और क्या आप अब मेरे लिए प्रार्थना करेंगे। मैं—मैं एक छोटा सा संदेश लाने का यत्न करने जा रहा हूं, प्रभु चाहेगा तो, दिव्य चंगाई के विनियोग। क्योंकि, इस प्रात: हमने उद्धार के विषय में बातें की। और आज रात्री हम दिव्य चंगाई के ऊपर कुछ मिनटों के लिए बोलने जा रहे हैं, और तब प्रार्थना पंक्ति को बुलायेंगे और लोगों के लिए प्रार्थना करेंगे। जबकी हम रेडियो प्रसारण के द्वारा यह कर रहे हैं, आप जहां कहीं भी होते हो, यहां तक कि बाहर बसों और कारों में चारो ओर, और आराधनालय से खण्ड या दो खण्ड के अंदर–अंदर; जब रोगियों के लिए प्रार्थना करने का समय आता है, यदि आप भवन के भीतर नहीं आ सकते... जैसे कि आप नहीं आ सकते, अब मैं इसके लिए निश्चित हूं, क्योंकि दरवाजो के रास्ते भीड़ से ठसे हुए है, पहले से ही, और कहीं भी कोई स्थान नहीं है, इसलिए आप प्रार्थना करें और एक दूसरे पर अपने हाथ रखें। और प्रत्येक सेवक जो आज रात्री इस प्रसारण से जुड़ा है, अपनी सभा के लिए प्रार्थना करे, जब चंगाई सेवा चल रही हो। हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर हर स्थान में सर्वव्यापी है। अब इससे पहले हम पढ़ें या...

11 इससे पहले कि हम—हम प्रार्थना करें, हम परमेश्वर के कुछ वचन से कुछ पढ़ना चाहते हैं। और थोड़ी देर पहले मैंने अपना—अपना वचनों का भाग बदल दिया, क्योंकि मैं उस सभा का रूप बदलना चाह रहा था जो कि मैंने अपने विचार में आज रात्री के लिए तय किया था, इसलिए मैंने इसे थोड़ा सा बदल दिया है; और इसलिए मुझे अपने वचनों का लेख बदलना पड़ा, उन्हें बदला नहीं, परन्तु उसे दूसरे क्रम में व्यवस्थित किया है, दिव्य चंगाई के क्रम में, ताकि—ताकि लोग समझ जायेंगे।

आइए हम संत लुका का 24वां अध्याय निकाले। और हम 24वें अध्याय के 12वें पद से आरंभ करेंगे, और लगभग 34वे तक पढ़ेंगे। यह प्रभु यीशु के पुनरुत्थान पर है।

तब पतरस, *उठ कर, और कब्र पर दौड़ गया; और झुण्ड कर केवल कपड़े देखे,* और *जो हुआ था उससे अचम्भा करता हुआ... अपने घर चला गया।*

और, देखो, उसी *दिन उनमें से दो जन इम्माऊस नामक एक गांव को जा रहे थे, जो यरूशलेम से कोई साठ मील की दूरी पर था।*

अब, यह दस फर्लांग का एक—एक मील बनता हैं, इसलिए यह लगभग छह मील था।

और वे इन सब बातो पर जो हुई थी... आपस में बातचीत करते जा रहे थे।

... और जब वे आपस में बातचीत और पूछ-ताछ कर रहे थे, तो यीशु आप पास आकर, और उनके साथ हो लिया।

परन्तु उनकी आंखें ऐसी बन्द कर दी गई थी कि उसे पहचान न सके।

और उसने उनसे पूछा, ये क्या बातें हैं जो तुम चलते-चलते आपस में करते हो, और वे उदास से खड़े रह गए?

और यह सुनकर उनमें से क्लियोपास नामक एक व्यक्ति ने कहा, *क्या तू यरूशलेम में अकेला परदेशी है, और* जो तू *नहीं जानता,* कि इन *दिनों में उसमें क्या-क्या बातें हुई हैं?*

और उसने उनसे पूछा, कौन सी बातें?

अब स्मरण रखे, यह यीशु स्वयं, जी उठकर, उनसे बातें कर रहा है।

और उन्होंने उस से कहा, यीशु नासरी के विषय में, जो परमेश्वर और सब लोगों के निकट काम और वचन में सामर्थी भविष्यवक्ता था:

... और महायाजको और हमारे सरदारों ने उसे पकड़वा दिया कि... कि उस पर मृत्यु की आज्ञा दी जाए, और उसे क्रूस पर चढ़ावाया।

परन्तु हमें आशा थी कि यही इस्राएल को छुटकारा देगा: और इन सब बातों के सिवाये इस घटना को हुए आज तीसरा दिन था।

और हम में से कई स्त्रियों ने भी हमें आश्चर्य में डाल दिया है, जो भोर को कब्र पर गयी थी;

और जब उसकी लोथ ना पायी, तो यह कहती हुई आयी, कि हम ने स्वर्गदूतों का दर्शन पाया, जिन्होंने कहा... कि वह जीवित है।

तब हमारे साथियों में से, कई एक कब्र पर गए, और जैसा स्त्रियों ने कहा था, वैसा ही पाया: परन्तु उसको ना देखा।

अब सुनना; यीशु।

तब उस ने उन से कहा, हे निर्बुद्धियो,... और भविष्यवक्ताओं की सब बातों पर विश्वास करने में मन्दमतियो:

क्या अवश्य ना था कि मसीह यह दुःख उठा कर, अपनी महिमा में प्रवेश करे?

तब उसने मूसा और सब भविष्यद्वक्ताओं से आरंभ करके, सारे *पवित्र शास्त्रों में से अपने विषय में की बातो का अर्थ उन्हें समझा दिया।*

इतने में वे उस गांव के पास पहुंचे, जहां *वे जा रहे थे: और उसके ढंग से ऐसा जान पड़ा कि वह आगे बढ़ा चाहता है।*

परन्तु उन्होंने उसे यह कहकर रोका, कि हमारे साथ रह, क्योंकि संध्या हो चली है, *और अब दिन बहुत ढल गया है। तब वह उनके साथ रहने के लिए भीतर गया।*

जब वह उनके साथ भोजन करने बैठा, तो उसने रोटी लेकर, धन्यवाद किया, और उसे तोड़ कर उनको देने लगा।

तब उनकी आंखें खुल गई, और उन्होंने उसे पहचान लिया; और वह उनकी आंखो से छिप गया।

उन्होंने आपस में कहा, जब वह मार्ग में हम से बातें करता था, तो क्या हमारे मन में उत्तेजना उत्पन्न ना हुई, और पवित्र शास्त्र का अर्थ हमे समझाता था?

वे उसी घड़ी उठकर, यरूशलेम को लौट गए, और उन ग्यारहो, और उन के साथियों को इकट्ठा पाया, और जब वे उनके साथ थे,

वे कहते थे, प्रभु सचमुच जी उठा है, और शमौन को दिखाई दिया है।

तब उन्होंने मार्ग की बातें उन्हें बता दी, और यह भी की उन्होंने उसे रोटी तोड़ते समय क्यों कर पहचाना।

12 अब हम प्रार्थना करें। प्रिय अनुग्रहकारी पिता, तेरे वचन के लिए हम तेरा धन्यवाद करते हैं, क्योंकि तेरा वचन सच्चा, तेरा वचन जीवन है। और तू, हे प्रभु, और तेरा वचन एक है। इसलिए प्रभु हम आज रात्री प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि आप हमारे मध्य में पुनरुत्थान की सामर्थ में आयेंगे और आज रात्री हमें दर्शायेंगे, उनके समान जो अम्माऊस से आए, कि हम भी यह कहते हुए अपने घरों को वापस जायेंगे, कहते हुए, "क्या हमारे हृदयो में उत्तेजना ना हुई? " प्रभु, इसे प्रदान करे, यह अब फिर सांझ की ओर है। क्योंकि हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

13 अब मैं इस बाईबल के सम्बन्ध में बोलना चाहता हूं। और मेरा आज रात्री का विषय, इसके शीर्षक के लिए है: *घटनायें भविष्यवाणी के द्वारा सपष्ट हुई। घटनायें भविष्यवाणी के द्वारा सपष्ट हुई।*

14 अब, बाईबल और सारी दूसरी पवित्र पुस्तकों से भिन्न पुस्तक है। बाईबल एक भिन्न पुस्तक है। यह भविष्यवाणी की पुस्तक है, आने वाली घटनाओं को बताती है। और यह यीशु मसीह का प्रकाशन भी है। यह उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक, उसे उसकी परिपूर्णता में लाती है, वह क्या था और है। और सारी पुस्तक, प्रकाशितवाक्य 1:1 से 3 में, कहा

यह पुस्तक "यीशु मसीह के प्रकाशन," की एक पुस्तक है, जो कि परमेश्वर का वचन है। "यीशु मसीह का प्रकाशन," परमेश्वर का वचन!

15 अब, बाकी सारी पुस्तकें, केवल एक आचार शास्त्र की नियमावली है, आचरणों की नियमावली, या धर्मशास्त्र की नियमावली। कुछ ऐसा ही... कितनो ने कुरान को कभी पढ़ा है, मुसलमानों की बाईबल, और—और बौद्ध लोगो की पुस्तक, और आदि–आदि? यह आचार शास्त्र की नियमावली है, कि लोगों को कैसे रहना चाहिए, उन्हें कैसे जीवन व्यतीत करना चाहिए, परन्तु यह भविष्यवाणी नहीं करती, इन बातो के विषय में कुछ नहीं कहती या किसी विशेष दान के लिए जो किसी को दिया गया हो, कि कुछ घटित होना है। जैसे किसी रहने की जगह में सम्मलित हो जाना या ऐसा कुछ। इसलिए, जब कलीसियाये एक स्थान में आती है कि वह अपनी कलीसिया को ठहरने के लिए सम्मलित होना, तब वे परमेश्वर के वचन से अलग भटक जाते हैं।

16 क्योंकि बाईबल यीशु मसीह की जीवित, पहले से बताई गई गवाही है। और जैसे की पृथ्वी अपनी भरपूरी में बढ़ गई है, और दाखलता भी अपनी परिपूर्णता में बढ़ गई है, दिन भी पूरे हो रहे है, वह दिन अपनी परिपूर्णता में बढ़ता गया, बाईबल अपनी परिपूर्णता में यीशु मसीह के व्यक्तित्व में प्रगट हुई। वह परमेश्वर का प्रकाशित किया हुआ वचन था, छुटकारे की सम्पूर्ण पूरी पुस्तक। बाईबल परमेश्वर का वचन है, आने वाली बातो को पहले से बता रहा है। इसके विश्वास करने वाले लेखक के द्वारा निर्देशित होते है कि इसे पढ़े और इसके प्रत्येक शब्द का विश्वास करें, ना कि इसके बस कुछ भाग का। इसके एक वचन का अविश्वास, हो सकता है आप इसे छोड़ने का यत्न कर रहे है, जब तक आप उस वचन का विश्वास नहीं कर लेते। प्रत्येक वचन पूर्णत: सर्वशक्तिमान परमेश्वर का भाग है; परमेश्वर प्रगट हुआ, उसके वचन की क्षति यह दर्शाता है कि वह कौन है। विश्वासी होने के नाते, हमें आज्ञा मिली है कि इसके प्रत्येक वचन का विश्वास करें। और यह स्वयं परमेश्वर लेखक के द्वारा लिखी गयी है। इसमें कोई भी कुछ नहीं मिला सकता या इसमें से कुछ नहीं निकाल सकता है। यदि आप चाहते हैं, तो यह परमेश्वर की एक अनूठी देह है। यह ऐसे ही होगी, मानो जैसे एक हाथ में छ: उंगलियां, या—या तीन हाथ, या किसी चीज में कुछ मिला दिया, या इसमें से कुछ निकाल लिया और एक हाथ कम हो गया, एक उंगली कम हो गयी। यह यीशु मसीह की सम्पूर्ण देह है। और मसीह में, नर

होने के नाते से, दूल्हा, दुल्हन भी उसमें प्रतिनिधित्व करते है। और यह दोनो एक है। "उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं, पिता मुझ में, मैं तुम में, और तुम मुझ में।" कितना परिपूर्ण चित्र!

17 और इस वचन में सच्चे विश्वासी, जो इसे ऐसे ही स्वीकार करते हैं, और इसका विश्वास करते है, और की गयी भविष्यवाणी की प्रतिज्ञाओ का धैर्य के साथ प्रतीक्षा करते है, उनमें से प्रत्येक अपने समय में प्रगट होती है। हर एक विश्वासी ने इसके लिए देखा है। हर एक विश्वासी जो पैर की उंगलियों पर तैयार रहता है, देख रहा है, यही वो एक है जिस पर प्रकट किया गया है।

18 अब प्रभु यीशु के आगमन के दिनों को देखिए। क्यों उन लोगों ने यूहन्ना को नहीं पहचाना, जब की बाईबल यशायाह के द्वारा स्पष्ट कहती है कि, "जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द हो रहा है कि, 'प्रभु के मार्ग को तैयार करो'"? उनका अंतिम भविष्यवक्ता उनके पास था, जो कि मलाकी 3 है, कहा, "देखो, मैं अपना दूत अपने आगे मार्ग तैयार करने के लिए भेजता हूं।" उन्होंने इसे क्यों नहीं देखा? क्योंकि वे किसी और चीज को देख रहे थे जो किया जा रहा था, अपने विचारों को किसी और संदेश पर आधारित कर रहे थे जो पहले आया था, और परमेश्वर के उपस्थित प्रगटीकरण को देखने में असफल रहे जिस दिन में वे रह रहे थे।

19 और मसीही लोग, हर जगह, ठीक यही पर जहाँ आज रात्री संसार खड़ा है। नि:सन्देह, यह सत्य है! हर जगह, मसीह लोग, आचार सहिता को मुड़ कर देखने का यत्न कर रहे हैं जो कि श्रीमान लूथर ने लिखी, या श्रीमान वैसली, सैंकी, फिन्नी, नॉक्स, केल्विन; जिसकी हम में से कोई निन्दा नहीं कर सकता, परन्तु वह बीते दिनों में था।

20 जो मूसा ने कहा फरीसियों ने उसे ही मुड़कर देखा, और उन्होंने कहा, "हमारे पास मूसा है। हम नहीं जानते कि तू कहां से आया।"

21 लेकिन स्मरण रखे, जब मूसा यहां पर था, वे नहीं जानते थे कि वह कहां से आया है। समझे? और अब वे... कोई आश्चर्य नहीं कि यीशु ने उनसे कहा, "तुम भविष्यद्वक्ताओं की कब्रे सजाते हो, और तुम ही ने उन्हें वहां पर रखा।" उनके संदेश के चले जाने के पश्चात! संदेश निकलता है, लोग इसे देखते हैं, वे इसका उपहास उड़ाते हैं (संसार करता है)। और तब संदेशवाहक के चले जाने के पश्चात और संदेश पूरा होने के पश्चात, तब वे

इस संदेश को नामधारी बनाते हैं। और वहां वे मर जाते हैं, ठीक वहीं, और फिर से जीवन तक कभी नहीं आते।

22 एक क्षण के लिए कुछ लोगों को देखें, और विशेषकर मैं आप कैथोलिक लोगों से बोल रहा हूं। क्या आप अनुभव करते हैं, क्या आपने कभी उस वास्तविक इतिहास में पढ़ा है, रोमन कैथोलिक कलीसिया के इतिहास में? किस प्रकार आपकी शहीदी पुस्तक में, जब से संत ऑगस्टाइन ऑफ हिप्पो, कितने करोड़ भोले लोगों को उस कलीसिया ने मार डाला! मैं भूल गया, सही गिनती याद नहीं है, परन्तु यह करोड़ो में है, जब से संत हिप्पो... संत ऑगस्टाइन हिप्–... हिप्पो का, अफ्रीका, यह घोषणा कर दी कि यह ठीक परमेश्वर की इच्छा है कि जो रोमन कैथोलिक कलीसिया का प्रतिवाद करता है उसे मार डालो। क्या आपने इस में अनुभव किया, कि संत पैट्रिक को जब तक ना पहचाना गया जब तक उसकी मृत्यु ना हो गयी, एक रोमन कैथोलिक के समान? उसने पोप का विरोध किया और उसके सारे कार्य कलापों का, और कैथोलिक कलीसिया स्वयं ने अपने दसियों हजारों बालको को मार डाला। क्या आप जानते हैं कि कैथोलिक कलीसिया ने जोआन ऑफ आर्क को जलाया, उस छोटी संत महिला को, अग्नी दंड, क्योंकि... कहा कि वह एक जादूगरनी थी। दो सौ वर्षो पश्चात, उस याजको की लाश खोदी, जब उन्हें मालूम पड़ा कि वह गलत था, और उन्हें बिना पवित्र भूमी में गाड़े, समुद्र में फेक दिया, कि प्राश्चित करे।

उस दिन को यू ही ना भूल जाये, और मूर्ख बने।

23 कैसे वे याजक आज रात्री चाहेंगे, कि सामने आएं, जिन्होंने यीशु को दोषी ठहराया। केवल एक ही बात, कि उन्होंने समय की भविष्यवाणी को कभी नहीं देखा। यदि वे... यीशु ने कहा, "पवित्र शास्त्र में ढूंढो, क्योंकि तुम सोचते हो कि उसमें," या, बल्कि, "दावा करते हो कि तुम्हारे पास अनंत जीवन है, और पवित्र शास्त्र तुम्हे बताता है कि मैं कौन हूं," उस घड़ी के लिए।

24 ध्यान दें, बाईबल असफल नहीं हो सकती। यह एक चीज है जो यह नहीं कर सकता, कि परमेश्वर का वचन, असफल हो जाये, क्योंकि यह अपने लेखक के कार्य को उसके करने से पहले बताता है।

25 अब, हजारों में से एक अवसर होता है कि एक मनुष्य भविष्यवाणी करे कि कुछ और घटित होने जा रहा है, और यह घटित होगा। परन्तु यदि

वह स्थान को बताये कि *कहाँ* घटित होगा तो अवसर दस हजार में से एक अवसर हो जाता है उसकी सम्भवता कम हो जाती है। यदि वह *दिन* बताता है कि उस दिन घटित होगा, तो संभावना और कम हो जाती है, लगभग दस लाख में से एक। और यह *किसके* साथ घटित होने जा रहा है, तो इसकी सम्भावना करोड़ में से एक हो जाती है।

26 परन्तु यह बाईबल आपको बिल्कुल ठीक बताती है कि *कौन, कब, कहां,* और *क्या* देखे, और एक बार भी असफल नहीं हुआ है। इसलिए, अधिक समय नहीं हुआ एक वार्तालाप में, यहां सेक्रेड हार्ट के एक पादरी के साथ; उसने कहा, "श्रीमान ब्रन्हम, आप बाईबल को एक तर्क बनाने का यत्न कर रहे हैं।" कहा, "यह तो कलीसिया का एक इतिहास है।"

मैंने कहा, "यह इतिहास नहीं है। यह परमेश्वर स्वयं, एक छपाई में है।"

उसने कहा, "परमेश्वर अपनी कलीसिया में है।"

27 मैंने कहा, "परमेश्वर अपने वचन में है। और इसके विरोध में जो कुछ भी है, वह झूठ है। क्योंकि उसने कहा, 'मेरा वचन सच्चा और हर एक मनुष्य का वचन झूठा ठहरे।'"

उसने कहा, "हम तर्क–वितर्क के लिए नहीं है।"

28 मैंने कहा, "मैंने आपसे तर्क वितर्क के लिए नहीं कहा, परन्तु बाईबल कहती है, 'आओ, हम वाद विवाद करें।'"

29 यह लेखक के करने से पहले कार्यो को बताती है। इसलिए, यह बताते हुए, यह प्रत्येक व्यक्ति और महिला को बिना किसी बहाने के न्याय के कटघरे में खड़ी करती है। यदि आप वह लेंगे जो इसके विषय में मेथोडिस्ट बताती हैं, जो बैपटिस्ट इस विषय में बताती है, कैथोलिक क्या कहता है, जो पेंटीकोस्टल इसके विषय में कहते है, या कोई और कलीसिया, तो आपको न्याय में निराशा मिल सकती हैं। परन्तु यदि आप ध्यान दे कि जो बाईबल कहती है वही घटित होने जा रहा है, और जब यह घटित हो जाता है, तब आप पहचानेगे कि क्या घटित होता है।

30 अब, ये वो जो सब लोग देख सकते है वैसा स्पष्ट दिखाई नहीं पड़ता, यीशु ने परमेश्वर का धन्यवाद दिया क्योंकि उसने इसे ज्ञानियों और बुद्धिमानों की दृष्टी से छिपा रखा, और बालकों पर प्रगट किया ऐसे ही

लोग समझेगे। सामर्थी परमेश्वर का धन्यवाद हो कि वह अपने वचन पर, सामर्थ के साथ धनवानों और समझदारो को अंधा करता है और—और शिक्षा को अंधा करता है, ताकि वे उसे ना देख सके, और निर्धनों और अनपढ़ों की आंखों को खोला।

31 इन इम्माऊस के लोगों पर ध्यान दें, उसने कहा उनकी—उनकी समझ उसके अपने विषय में रुकी हुई थी। उन्होंने उससे बात की और जान ही पाये कि दिन भर से उनके साथ कौन था। परमेश्वर यह कर सकता है, क्योंकि वह परमेश्वर है।

32 बिलकुल ठीक यही उसने उन याजको, शास्त्रियों के साथ कर दिया, क्योंकि यह लिखा था कि उसे यही करना था। परमेश्वर ने उनकी आंखे अन्धी कर दी ताकि हमे अवसर मिल सके। ध्यान दें, वे नहीं देख सकते थे, इस से कोई मतलब नहीं कि वे कितने ज्ञानी, कितने याजक वे थे, उन्होंने क्या किया, वे अब भी इसे नहीं देख सके, क्योंकि वे अंधे थे। शारीरिक रूप से, उनकी आंखे बीस–बीस हो सकती थी। परन्तु उनकी आत्मिक आंखे!

33 ठीक यही बात आज प्रात: मैं व्यभिचारी स्त्रियों के विषय में कहने का यत्न कर रहा हूं, जिस प्रकार से वे वस्त्र पहन रही हैं। वे व्यभिचारणी हैं। परमेश्वर की पुस्तक में वे दोषी हैं जब भी वे वासना युक्त दिखने वाले वस्त्र पहनती हैं। उनके प्राण, यह नहीं जानते। मैं विश्वास करता हूं कि उन स्त्रियां में, बहुत सारी, उनमें से हजारों, निर्दोष हैं, और किसी भी प्रकार व्यभिचार नहीं करेंगी। और बेचारी स्त्रियां, जो उन्हें इसके साथ बिना इसे प्रगट किए होने देता है, बिना इसे उजागर किए होने देता है और सत्य बताता है, कि व्यभिचार किया गया। जो, बाईबल ने कहा, "वैश्या जो बहुत से पानियों पर बैठी है, कि पृथ्वी के सारे राजाओं और पृथ्वी के लोग, कलीसियाये और आदि–आदि ने, इस स्त्री के साथ आत्मिक व्यभिचार किया। और वो **वेश्याओं की मां** थी," वे संप्रदाय।

34 हम बाईबल को ध्यान पूर्वक देखते हैं, क्योंकि परमेश्वर हमें अंधकार में नहीं छोड़ता। उसने बाईबल को पहले से हमें यह बताने के लिए भेजा इससे पहले कि घटनाये घटित हो, और उसका वही स्वभाव और समय जिसमें वे आयेंगे।

35 अब, यह कुछ इस प्रकार से है कि कलेण्डर पर देख रहे है कि यह कौन

सी तारीख है। यदि आप सोचते हैं, कहते हैं कि यह ये है यह शनिवार, रविवार है, यह क्या है? तो कैलेंडर को देखिए। कैलेंडर आपको बताएगा कि कौन सा दिन है। जब आप लोगों के व्यवहार को देखते हैं, हो सकता है वे आराधनालय को जाते हो, आप देखते हैं वो—वो... घंटियाँ बज रही है, आपको आश्चर्य होता हैं कि आज कौन सा दिन है। आप कैलेंडर को देखिए, यह आपको बताएगा कि यह कौन सा दिन है।

36 और जब आप कलीसिया को सांसारिक होता देखे, जैसा कि यह सादोम के दिनों में था, देखिए कि संसारिक कलीसिया सब उस में जा रहे है... की आराधना "इस दृष्ट युग का ईश्वर," और यह देखते हुए; तब आप छोटे से अल्पसंख्यक झुण्ड को परमेश्वर की प्रेरणा के नीचे एकत्र होते हुए देखते है, और वह फिर से यीशु मसीह के जीवन को पवित्र वचनों के द्वारा उत्पन्न कर रहे है, जिसको की घटित होना है, आप जानते हैं कि आप कौन सी घड़ी में रह रहे हैं।

37 यह बाईबल भविष्यवाणी के द्वारा बताती है कि हम किस दिन में जी रहे हैं, और किस समय में हम जी रहे हैं, और किस प्रकार की घटना को घटित होना चाहिए। यह शब्द दर शब्द सही–सही पहले से बताती है, और सारे समय में एक भी युग में नहीं चूकी। एक बार भी चूकी नहीं, और ना ही चूकेगी, क्योंकि जो इसे देखने के लिए पहले से ठहराये हुए हैं, इसे देखेंगे। यीशु ने कहा, "कोई मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता, सिवाये कि मेरा पिता उसे ना खींच ले, और वे सब जिनको पिता ने मुझे दिया मेरे पास आयेगा।" यह वचन, वचन के साथ मिलता है। यह और कुछ नहीं कर सकता। हम यह जानते हैं, कि वह जिस दिन में हम रह रहे हैं।

38 परन्तु यह हर युग में हुआ कि लोग मनुष्य अपना अनुवाद वचन में मिलता है, और होने वाली घटनाओं के प्रति उन्हें अंधा कर देता है। फरीसियों और सदूकियों के साथ ठीक यही हुआ। यहां तक कि पौलुस वहां पर खड़ा हुआ और वचन का उल्लेख कर रहा था, और एक मनुष्य ने उसके मुंह पर थप्पड़ मारा क्योंकि उसने एक महायाजक को चुना फिरी भीत कहा। और तब वे परमेश्वर द्वारा भविष्यवाणी के वचन की पुष्टि को देखने में असमर्थ रहे।

39 देखिए, बाईबल स्वयं में विरोधाभास नहीं है; बाईबल परमेश्वर है। परमेश्वर में कोई विरोधाभास नहीं है; वह सिद्ध है।

40 परन्तु लोग, उनके अनुवाद के साथ! अब ध्यान दें, मित्रों, मुझे आपको दिखाने दो। कलीसियाये इसके अनुवाद पर स्वयं सहमत नहीं होगी। मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट के साथ सहमत नहीं हो सकती, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन के साथ, प्रेस्बिटेरियन, पेंटीकोस्टल के साथ। और पेंटीकोस्ट की लगभग विभिन्न चालीस संस्थाए, वे एक दूसरे के साथ सहमत नहीं हो सकते हैं। इसलिए आप देखिए, यह फिर से बाबुल होगा, गड़बड़ी करते हुए।

41 परन्तु परमेश्वर स्वयं अपने वचन का अनुवाद करता है। उसने इस बात की प्रतिज्ञा की है, और उसे स्वयं पूरा किया। वह स्वयं इसका अनुवाद करता है, क्योंकि वह स्वयं को उस घड़ी में प्रगट करता है। मसीह की वो—वो देह कितनी आगे बढ़ गयी है, पैरों से सिर तक!

42 ध्यान दें, तब यही कारण है कि यह लोग समझने में असमर्थ हैं, क्योंकि इसके विषय में कौन क्या कहता हैं वे सुनते है, बजाये इसके वचन पढ़े जैसा कि यीशु ने उन्हें करने के लिए कहा, "और वे ही वे हैं जो मेरी गवाही देते हैं। पवित्र वचनों में ढूंढो, तुम सोचते हो कि तुम्हे उसमें अनन्त जीवन मिलता है, और वे वही हैं जो मेरी गवाही देते हैं।" दूसरे शब्दों में, सुनिये, "क्या? वचनों में पढ़ते और देखते हो कि मसीह को क्या करना चाहिए था। देखो कि मसीह को किस समय में आना है। देखो मसीह के आगे–आगे कौन चलने वाला है। उस आगे–आगे चलने वाले को देखो। जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द हो रहा है, यूहन्ना। और तुमने जो चाहा उसके साथ किया। देखो, मुझे क्या करना था जब मैं आया। और अब तुमने क्या किया? क्या मैं इसके साथ पूरा करने में असमर्थ रहा? " देखो, यीशु बोल रहा है, "क्या मैं इसको पूरा करने में असमर्थ रहा? "

43 ध्यान दें, जैसे कि दोपहर पश्चात हम इस पवित्रशास्त्र में से होते हुए आ रहे हैं, कि किस प्रकार से हर चीज जो उसके विषय में भविष्यवाणी की गई थी, बिल्कुल वैसे ही घटित हुई जैसे होना चाहिए था। उन्हें यह घटना मालूम होनी चाहिए थी। "यह सनकी, लगभग तैंतीस वर्षीय, जवान व्यक्ति उठ खड़ा हुआ है और... या तीस वर्षीय, और वहां पर जाकर और सब प्रकार की ज्योतियों का दावा कर रहा है, और पिड़ुकियां ऊपर की ओर उठी। और, क्यों, यह एक—एक प्रकार का अशोभनिय है।" उन्होंने कहा कि, "उसका जन्म अवैध माता–पिता से हुआ, और दावा किया कि वह

कुंवारी से जन्मा था।"

44 क्या उन्हें मालूम नहीं होना चाहिए था कि यशायाह, यशायाह 9:6 में यह कहा है, "हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ"? क्या उन्हें यह नहीं मालूम होना चाहिए था कि यशायाह भविष्यवक्ता ने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी"? उन्हें यह बातें मालूम होनी चाहिए थी। परन्तु, आप देखिए, जो बातें वे उस पर लागू कर रहे थे, वह कही और आगे की थी। और उनके लिए यह मनुष्य, उन विशेष बातों से मेल नहीं खाता था। परन्तु उसने उनसे पूछा, "पवित्र शास्त्र में ढूढ़ते हो, क्योंकि तुम सोचते हो कि उसमे तुम्हे अनंत जीवन मिलता है, और वे वही बाते है जो मेरे संदेश की गवाही देती है।" ना की वह जो धर्मज्ञानी ने कहा; परन्तु जो परमेश्वर ने कहा, उसके अपने वचन ने कहा कि, घटित होगा! आमीन!

45 इसलिए यह अब वैसा ही है! पवित्रशास्त्र में ढूढ़ते हो, क्योंकि वही बताता है कि हम कौन से घड़ी में जी रहे हैं, हमें ठीक–ठीक बताता है कि आज के दिन क्या घटित होगा। ये वे हैं जिन पर आपको भरोसा रखना चाहिए, क्योंकि यही हैं जो व्यक्ति यीशु मसीह की गवाही देते हैं। क्योंकि बाईबल ने कहा, कि, "वह कल, आज और सर्वदा एक सा है," क्योंकि वह इस युग में वचन का प्रकाशन है। भिन्न हो नहीं सकता।

46 इसलिए मनुष्य के अनुवाद को सुनने के द्वारा, वे देखते है परमेश्वर के वचन को पूरा होने की पुष्टि होती हैं, वे इसे देखने में असमर्थ रहे। क्योंकि, यह हर समय होता रहता है, परन्तु क्योंकि वे सुनते हैं... और यीशु ने कहा कि, "वे अंधे अगुवे हैं।" और यदि अंधा अंधे का मार्गदर्शन करे, तो उन्हें क्या होगा? अब स्मरण रखें, कि बाईबल ने भविष्यवाणी की है कि इस लौदिकियन युग की कलीसिया सम्बन्धी पीढ़ी अंधी थी। उन्होंने उसे कलीसिया से बाहर कर दिया। कोई दूसरा युग नहीं, दूसरी कलीसिया नहीं, जहां पर यीशु बाहर था। परन्तु लौदीकिया कलीसियायी काल, वह बाहर की ओर था, अंदर आने का यत्न कर रहा था, "मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटा रहा हूं।" उसे अंदर होना चाहिए। परन्तु उसने कहा, "क्योंकि तुम कहते हो, 'मैं धनी हूं, चीजो की भरपूरी है, किसी चीज की आवश्यकता नहीं है,' और नहीं जानते, नहीं जानते कि तुम अंधे हो, अंधे की अगुवाई कर रहे हो, आत्मा में दरिद्र, दुःखी, तुच्छ, नंगा, और यह नहीं जानता।" क्या ही... यदि कोई मनुष्य सड़क पर नंगा हो, तुच्छ, अंधा, और जानता

हो कि उसके पास इतनी चेतना हो कि आप उसे बता सके कि वह नंगा था, कि वह इस विषय में कुछ करना चाहेगा। परन्तु जब वह अपना सिर हिलाता है, कहता है, "मैं यह नहीं लुंगा। तुम कौन हो कि मुझे बताओं कि मुझे क्या करना है? मैं जानता हूं कि मैं कहां खड़ा हूं।" अब, यदि दयनीय अवस्था नहीं, मैं नहीं जानता। और ठीक यही है जो इस बाईबल के परमेश्वर ने कही कि कलीसिया, इस दृष्ट युग में जो अब है, ऐसी होगी, अंतिम कलीसियायी काल में जहां हम जी रहे हैं।

47 ध्यान दे, परन्तु लोगों के लिए, "जितनो से मैं प्रेम करता हूं, मैं ताड़ना करता हूं।" अब, जो आप कर रहे है उसके लिए उसी प्रभु से आपकी ताड़ना हुई है, तो फिर बाहर निकल! आईये उससे अलग हो जाये। "जितनो से मैं प्रेम करता हूं, उनकी ताड़ना करता हूं।"

48 अब, परमेश्वर को देखते हुए, अब, क्या हो यदि वे फरीसी यह कहे, "एक मिनट रुको। उस व्यक्ति ने हमें चुनौती दी है, उसने कहा है, 'तुम पवित्र शास्त्र में ढूढ़ते हो, क्योंकि तुम सोचते हो कि उसमें तुम्हे अनन्त जीवन मिलता है; वे मेरी गवाही देते हैं।' यह अच्छा होगा कि पवित्र शास्त्र में देखकर और ढूंढ लू कि उसे क्या करना चाहिए, यह कौन है, क्या घटित होना चाहिए। मैं पीछे पलटकर देखू और खोज लू"? बजाये इसके, कि याजको के पास जाकर और उनसे पूछू, "इस विषय में क्या है? " भिन्नता को देखिए? उन्हें वचन को पढ़ना चाहिए था।

49 इब्रानियों 1:1 में, बाईबल ने कहा, "परमेश्वर ने, अलग–अलग समय में, " यही है, "जो कि पुराने बीते समय में और भविष्यवक्ताओं के द्वारा भिन्न प्रकार से बाईबल लिखवाई।" अब ध्यान दें, अपने ही चुने हुए ढंग से उसने बाईबल को लिखा। देखा? अब, उसे इसे इस प्रकार से नहीं लिखवाना था, ना ही उसे मनुष्य के लहू द्वारा बचाना था। उसे मनुष्य के द्वारा बाईबल प्रचार नहीं करनी थी; वह सूर्य या चंद्रमा या सितारों से सुसमाचार प्रचार करवा सकता था, वह सुसमाचार को हवा से सुसमाचार को बुलवा सकता था। परन्तु उसने मनुष्य को चुना! और उसने मार्ग को चुना उसका वचन आया, और यह उसके भविष्यवक्ताओं के द्वारा था जो कि पहले से ठहराये और अभिषिक्त थे, परमेश्वर के वचन का भाग होने के कारण, उस युग और उस समय में उसके वचन के प्रकाशन की घोषणा कर रहे थे। "क्योंकि परमेश्वर का वचन केवल भविष्यद्वक्ताओं के पास

आता है।" ये कभी भी धर्मज्ञानियों के पास नहीं आता। मुझे पवित्र लेख दिखाओ। यह केवल भविष्यद्वक्ताओं के पास आता है। परमेश्वर झूठ नहीं बोल सकता। इसलिए परमेश्वर ने अपनी बाईबल अपनी चुनी हुई विधी द्वारा लिखी, और अपने चुने हुए भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा; उन भविष्यद्वक्ताओं से नही जो मनुष्य ने चुने, परन्तु उन भविष्यद्वक्ताओं को परमेश्वर ने चुना।

50 तब यह विश्वासी लोग जो उनके भविष्यवक्ता ने कहा, उसके घटित होने पर ध्यान देते, और यही प्रमाण है कि वे परमेश्वर के भविष्यवक्ता हैं। क्योंकि, पहले, उन्होंने प्रेरणा पाई। फिर, वे उस घड़ी के वचन के साथ स्थिर रहे। तब यही उसके प्रमाण पत्र थे। देखिए, हमने पिछले रविवार इसी को देखा। बहुत सारे झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे। और हमने उदाहरण दिया कि कैसे वे बालाम और मूसा, दोनों एक ही आत्मा के द्वारा अभिषिक्त, उनमें से एक ने कहा, "हम सब एक हैं। आओ हम आकर मिले, अपनी लड़कियों को और सबको ले आये। यहां हमारे पास सुंदर लड़कियां हैं, और तुम लड़को यहां आओं और अच्छी पत्नी ले लो। यह ठीक है, हम एक ही लोग हैं, जो भी हो, एक ही जाति।" परमेश्वर ने उन्हें इसके लिए कभी क्षमा नहीं किया। क्योंकि उन्होंने इसे सुना।

51 देखिए, संसार और वे—वे लोग कुछ थोड़ा सा बाहर निकलने कि राह देख रहे हैं, कोई छोटे से किनारे का, कोई छोटा मार्ग, परन्तु परमेश्वर के वचन में कोई छोटा मार्ग नहीं है। वहां एक ही नमूना है। आपको स्वयं को काट कर उस नमूने में बैठाना है, ना कि नमूने को काट कर अपने लिए अनुकूल बनाना। प्रत्येक को यही करना चाहिए। परमेश्वर के करने का केवल यही मार्ग है।

52 अब ध्यान दें, विश्वासी लोग वचन की पुष्टी की प्रतीक्षा करते हैं। देखिए, यह मनुष्य के द्वारा नहीं लिखी गयी, परन्तु प्रभु परमेश्वर के द्वारा, इसलिए यह मनुष्य की पुस्तक नहीं है।

53 किसी ने कहा कि, "यह केवल पुराने इब्रानी लेख है।" क्या इब्रानी लोग अपने को दोषी ठहराने के लिए पत्र लिखेगे? क्या यहूदियों का वह अच्छा राष्ट्र, अपने में एक और शानदार, वे अपने अपराधो को लिखेंगे, स्वयं को दोषी ठहरायेंगे? निश्चय ही नहीं। अपने ही पापों को बताये, कि वे कैसे मूर्तिपूजा में गए, कैसे उन्होंने परमेश्वर के वचन के विरुध व्यभिचार किया? नहीं, नहीं। वे कभी नहीं बताएंगे, वह घमंडी राष्ट्र।

54 यह मनुष्य की पुस्तक नहीं है। यह परमेश्वर की पुस्तक है। और मनुष्य जो दर्शन देखता और परमेश्वर की वाणी सुनता, बहुत सी बार इसे कभी नहीं समझ पाता (कई बार) खुद को, बहुत से घटनाओं में। देखा? मनुष्य ने बाईबल नहीं लिखी। परमेश्वर ने बाईबल लिखी। यह ऐसा नहीं है... यह मनुष्य की पुस्तक नहीं है। यह परमेश्वर की पुस्तक है। यह परमेश्वर के विचार मनुष्य के होठों के द्वारा प्रगट किए गए हैं। इसी से बाईबल बनी है। विचार का प्रगट होना एक शब्द है। और आरंभ में परमेश्वर के विचार में, उसने इसे अपने भविष्यवक्ता के होठों से प्रगट किया और अपने दास के द्वारा इसकी पुष्टि की। समझे? ध्यान दें।

55 परमेश्वर पहले से ठहरा कर अपना चुनाव करता है, हर युग के लिए भविष्यवक्ताओ को चुनता है। इस पर ध्यान दें। वह भविष्यवक्ता के स्वभाव को उस युग के अनुसार बनाता है। वह उसके व्यवहार को तय करता है, जो भी वह करता है। वह उसे उस परिस्थिति के अनुकूल कर देता है चाहे वह शिक्षित या अशिक्षित हो। वह वरदानो को व्यवहार के अनुकूल कर देता है, जो वह प्रचार करेगा, वे ही वरदान उसके पास होंगे। और निश्चित युग के लिए संदेश, परमेश्वर निश्चित बातो को घटित होने के लिए पहले से ठहराता है और दूसरी बात उसका स्थान नहीं ले सकती। चाहे वह कुछ भी हो, कितनी मनुष्य–निर्मित उपलब्धियां है, इसका स्थान कोई नहीं ले सकता। वह मनुष्य के पहले से ठहराता है, हो सकता है अनपढ़ व्यक्ति को। हो सकता है उसने उसे किसी दूसरे प्रकार का व्यक्ति ठहराया हो। वह जो भी है, वह उसे शिक्षित करता है, उसके—उसके वरदान, उसे देता है उसका स्वभाव, उसका व्यवहार, और वह जो भी है, वह कैसे स्वयं को प्रगट करता है, और जो भी वह करता है। वह उस समय के मनुष्य को बनाता है कि उस समय के लोगो को पकड़े। ठीक है। वह यह करता है।

56 प्रत्येक युग के अंत में, जब कलीसिया, संसार और पाप की ओर मुड़ गई थी, और मनुष्य द्वारा किए गए अनुवाद की ओर झुक गयी थी। जैसा कि सदा से युग के अन्त में हुआ कि, अब तक, वे अपने धर्मज्ञानियों और याजको के द्वारा इतनी गड़बड़ी में चले गए, इतना तक यह हमेशा के लिए गड़बड़ हो गई है। उनके अनुवाद सदा से गलत है, और एक बार भी ऐसा ना हुआ कि वे गलत ना हुए हो। और परमेश्वर का वचन एक बार भी असफल नहीं हुआ कि ठीक ना हो। यही भिन्नता है।

57 अब आप देखिए, कि परमेश्वर ने बाईबल को स्वयं लिखा। अब, परमेश्वर बोल सकता है। मूसा ने कहा कि वह उससे बोला। यिर्मयाह ने कहा, "वह मेरे मुंह में वचनो को डालता है।" और परमेश्वर लिख सकता है। उसने दस आज्ञाये अपनी खुद की उंगली से लिखी। उसने बाबुल की दीवारों पर लिखा। और, स्मरण रखे केवल पुराने नियम के अन्दर भविष्यवक्ताओं ने दो हजार बार कहा, "**यहोवा यों कहता है**!" परमेश्वर बोल सकता है, परमेश्वर लिख सकता है। निश्चय ही। मत्ती, मरकुस, लूका, और यूहन्ना लगभग नब्बे प्रतिशत, ये वही स्वयं परमेश्वर के वचन है, जो यीशु मसीह बोल रहा था। इसलिए, यदि परमेश्वर लिख सकता है, यदि परमेश्वर पढ़ सकता है, यदि परमेश्वर बात कर सकता है, क्या वह यह सब दूसरों से नहीं करवा सकता? क्या उसने मूसा से नहीं कहा, "किस ने मनुष्य को गूंगा बनाया या किसने उसे बोलने की शक्ति दी? " परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं के द्वारा बाईबल लिखी, यही उसके करने की विधी है।

58 अब हर बार जब कलीसिया गडबड में पड़ जाती है (और परमेश्वर उन्हें पहले से जानता है, कि वे ऐसा करेंगे क्योंकि हर बात को पहले से जानता है), इसलिए उसके पास उसके निश्चित भविष्यवक्ता उस काल के लिए तैयार रहते है, ताकी उसके चुने हुओं को उसके वचन के चिन्हों के और आश्चर्यकर्मो के प्रमाणित होने के द्वारा बुला ले, और उसके वचन की पुष्टि, "चिन्हों के द्वारा वचन की पुष्टि करता है, " जैसे कि उसने प्रतिज्ञा की है। स्वयं भविष्यवक्ता के सही प्रमाणित हो जाने के पश्चात वह सही अनुवाद को देता है।

59 परन्तु वे, चुने हुए, जिनके पास वह भेजा गया, उससे घृणा की। अब, हर घटना को परखिए और देखिए यदि यह सही है कि नहीं। केवल वे जिनके पास उसे भेजा गया! "वह अपनों के पास आया, और उसके अपनों ने उसे स्वीकार नहीं किया। परन्तु जितनो ने उसे ग्रहण किया, उनको उसने परमेश्वर के पुत्र होने का अधिकार दिया।" ध्यान दे, नहीं... वचन की हर परिक्षण, हर घटना में, और काल के अंत या चरम अवस्था या संगम पर, जैसा कि मैंने बहुत सी बार प्रचार किया है।

60 नूह के युग को देखिए, न्याय से पहले चरम अवस्था में क्या घटित हुआ। क्या हुआ? नूह, यह केवल उसका ही परिवार था जिसने उस व्यक्ति का विश्वास किया। बाकियों ने उसकी आलोचना की। और समस्त संसार

नाश हो गया।

61 अब्राहम के दिनों में, केवल अब्राहम के झुण्ड ने विश्वास किया। जब दूतो ने जाकर सादोम में प्रचार किया, तो केवल लूत और उसकी पत्नी और दो पुत्रियां बाहर आयी, और वो पीछे मुडी और नमक का खम्बा बन गई।

62 मूसा के दिनों में, केवल चुने हुए इस्राएली बाहर आए। और फिरौन ने उससे घृणा की।

63 एलिय्याह के दिनों में, सभी (लगभग) केवल हजार को मनुष्यों को छोड़, प्रत्येक ने उससे घृणा की, समस्त राष्ट्र ने।

64 यर्मयाह के दिनों में, क्यों, उन्होंने उस पर कच्चे फल फेंके, और उसे सनकी कहा, क्योंकि वह एक करवट बहुत दिनों तक लेटा रहा, और दूसरी ओर भी, और—और चीजे लेकर और चिन्ह बनाये। वे उससे घृणा करते थे।

65 यशायाह भविष्यवक्ता ने, उससे उस पीढ़ी को इतना दोषी ठहराया यहां तक कि उन्होंने उसको आरे से काट कर दो टुकड़े कर दिया। ठीक है।

66 यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला। "वह वहां एक जंगली मनुष्य था, कोई चिल्लाने वाला पागल।"

वे सारे लेकिन—लेकिन वे चेले जिन्हें उसने यीशु मसीह को एक कलीसिया के समान प्रस्तुत किया! यही है वह। यूहन्ना ने लोगों को तैयार किया। उसके पास कितने थे? आप दोनों उंगलियों पर गिन सकते हैं... दोनों हाथ की, अपनी उंगलियों पर, जब यीशु आया तो यूहन्ना ने उसके सामने कितने लोगों को प्रस्तुत किया। अब, उसके दूसरे आगमन के विषय में क्या है? इस पर सोचे।

67 परन्तु जब सच्चे बाईबल विश्वासी वचन को खुले रूप में उस युग के लिए प्रमाणित होते देखते हैं, तो वे विश्वास करते हैं। उन्हें इससे अलग करने का कोई मार्ग नहीं, कि वे विश्वास ना करें। यहां तक कि वे अपनी गवाही को अपने लहू से मोहरबंद करते हैं। वे इसका विश्वास करते हैं। यह तब यह उन पहले से ठहराये हुए लोगो के लिए है जो उस निश्चित काल के लिए है जो देखते और विश्वास करते है।

68 दूसरे इसे नहीं देख सकते; वे अंधे किए गए हैं। अब, आप कहते हैं कि, "वे इसे नहीं देख सकते।" अब, जैसे बालाम के समय, बालाम क्यों इसे नहीं देख सका? वह एक भविष्यवक्ता था, अभिषिक्त था। क्यों फिरौन इसे नहीं देख सका? जब वह परमेश्वर के हाथ को नीचे आकर देखा और वहां आश्चर्यकर्म करते देखता था, इसने केवल उसके ह्रदय को कठोर कर दिया। क्या यह ठीक बात है? दातान स्वयं यहूदी होकर क्यों नही इसे देख सका? वह सीधा–सीधा मृत सागर में से निकल कर आया था, और प्रति रात्री उसने मन्ना खाया था, जो कि ताजा गिरता था, और फिर भी इसे ना देख सका। क्यों कोराह इसे ना देख सका? क्यों, कैफा इसे ना देख सका? वह उस समय धर्म का प्रधान था, उस समय के संसार का। क्यों नहीं वह देख सका कि वह मसीहा था? यहूदा क्यों इसे ना देख सका? यहूदा ठीक उनके साथ था, उनके साथ–साथ चल रहा था, उनके साथ आश्चर्यकर्म कर रहा था। परन्तु वचन को पूरा होना ही था। बाईबल कहती है कि वे अपना स्थान लेने के लिए उठ खड़े हुए थे। वे इसी उद्देश्य के लिए उठे थे। यह बात सत्य है। रोमियो 8 यह कहता है।

69 अब विश्वासी लोग देख सकते हैं कि वचन उनकी पीढ़ी में देहधारी हुआ, परमेश्वर बोल रहा है। अब, वे सच्चे विश्वासी लोग, वे सात हजार (या वे सात सौ थे?) एलिय्याह के दिनों में। सात हजार ठीक है। एलिय्याह के दिनों में, लगभग बीस या तीस लाख में से सात हजार मनुष्य थे, जिन्होंने देखा कि वह ठीक था। यहाँ तक मुश्किल से लोगों को सौवां भाग भी नहीं। परन्तु उन्होंने देखा कि वह ठीक था। उन्होंने परमेश्वर को प्रगट होते देखा। वह बूढ़ी विधवा जिसके पास एलीशा भेजा गया था, वह उन लकड़ियों को लेने गई, एक रोटी सेके, और अपने और अपने पुत्र के लिए उतनी रोटी सेके, और फिर मर जाये। परन्तु एलिय्याह को देखिए, उसने कहा, "पहले मेरे लिए, एक बना। क्योंकि, **यहोवा यों कहता है,** कुप्पी खाली ना होगी और ना ही तेल खत्म होगा उस दिन तक जब तक प्रभु परमेश्वर धरती पर वर्षा ना भेजेगा।" कोई प्रश्न नहीं, उसने लकडियों को रोटी सेकने के लिए उठाया और उसे दी। कहा, "पहले मेरे लिए बना, और तब जाकर अपने लिए और अपने पुत्र के लिए बना।" क्योंकि, उसने यह सुना कि वह मनुष्य, और उसकी ओर देखा; वह पहले से ठहराया हुआ वंश था।

70 उनमें से बहुत से कहते हैं, "देखो वह सनकी फिर वहां है। उसके कारण परमेश्वर ने हमें श्रापित किया है," स्मरण रखे, एलिय्याह। कहा कि, "तू

ही है जो इस्राएल को दुःख दे रहा है।"

71 उसने कहा, "तू ही है जिसने इस्राएल को दुःख पहुचाया है।" देखिए कौन, परमेश्वर... वह किसके वचन को प्रमाणित कर रहा है? अपने ही वचन को।

72 अब बाईबल कहती है वे इसी उद्देश्य के लिए उठाये गये थे, परन्तु जब... वो—वो अविश्वासी। लेकिन अब जब सच्चा विश्वासी उस काल में वचन को देहधारी होते देख सकता है, परमेश्वर मनुष्य के मुंह के द्वारा बोलता है और तब जो उसने कहा ठीक वैसा ही करता है वह वही करेगा, यह तय हो गया!

73 अब बाकियो पर ध्यान दे। चिन्हों को ना देखे। यदि आप चिन्हों को देखेगे, तो आप ऐसे ही मूर्ख बनेगे जैसे की संसार। झूठे भविष्यद्वक्ता उठेंगे और चिन्ह और आश्चर्यकर्म दिखायेंगे वे यदि हो सके तो चुने हुओ को भरमायेंगे। वचन पर ध्यान दें। इन याजको, इन भविष्यव्यक्ताओ, और इब्रानी भविष्यवक्ता को देखे जो वहां खड़े हुए हैं। सिदकिय्याह दो बड़े सींगों के साथ, और कह रहा है, "मैं परमेश्वर द्वारा अभिषिक्त भविष्यवक्ता हूं।" यह सत्य है। "मेरे पास यहां मेरे साथ तीन सौ निन्यानवे हैं, और पवित्र आत्मा हमारे ऊपर है, जो कि पुष्टी कर रहा है और कह रहा है कि वह देश हमारा है। आओं और चल कर उसे ले ले। और इन सींगों के द्वारा, आहाब, तू अपने शत्रू को अपनी भूमी पर से बाहर धकेल देगा, क्योंकि यह भूमी परमेश्वर ने हमें दी है।"

74 उस धर्मी मनुष्य, भले मनुष्य, यहोशापात को देखिए, कहा, "क्या तुम्हारे पास कोई और है? "

75 "एक और? चार सौ सहमति में है!" उसने कहा, "हाँ, यहाँ पास में एक है, परन्तु मैं उससे घृणा करता हूँ।" कहा, "वह हमेशा हम लोगो पर चिल्लाता है और हमें बताता है कि हम कितने बड़े पापी हैं, और बहुत कुछ।" कहता है, "मैं उससे घृणा करता हूँ! वह, वह मिकायाह है, इम्ला का पुत्र।"

76 उसने कहा, "ओह, राजा ऐसी बात ना कहे। जाओ उसे ले आओ और हम सुने कि वह क्या कहता है।"

77 इसलिए वे जाकर उसे ले आए। उसने कहा, "मुझे आज की रात्री दो और मैं देखुंगा कि प्रभु इस विषय में क्या कहता है।"

78 आहाब ने कहा, "मैं तुझ से अनुरोध करता हूं कि, मुझे सत्य को छोड़ और कुछ ना बता।"

79 और वह व्यक्ति आया और बोला, "अब, यदि तुम अच्छी संगति में आना चाहते हो, तो जैसा बाकी सब कहते है वही कहो।"

मिकायाह ने कहा, "मैं वही कहुंगा जो परमेश्वर कहता है।" समझे?

80 अगली प्रात:, वे बाहर आये। और राजा लोग अपने वस्त्र धारण करके, फाटक पर बैठ गए, सारे धर्मउत्सव। भविष्यवक्ता वहां पर खड़े हुए थे। कहा, "अब, कट्टरपंथी, अब तुम इस विषय में क्या कहते हो? "

81 कहा, "जाओ चढ़ जाओ।" कहा, "परन्तु मैंने इस्राएल को ऐसे तितर–बितर देखा, जिसका कोई चरवाहा ना हो।"

82 उसने... उसका हाथ पकड़ कर और उसके मुंह पर थप्पड़ मारा। नबी ने भविष्यवक्ता को मुंह में थप्पड़ मारा। अब, दोनों भविष्यवक्ताओं ने वहां खड़े हुए, भविष्यवाणी की, चार सौ एक के विरुद्ध, यह काफी सशक्त दिखाई पड़ता है। अब, भीड़ की सम्मति में सदा सुरक्षा नहीं होती। इस बात पर निर्भर करता है कि वे कहां पर हैं... वे किस विषय में सलाह कर रहे हैं, उनकी क्या सलाह है। वहां राजा की कोई सुरक्षा नहीं थी, और उसने सही होने के लिए भीड़ की सम्मति ली। परन्तु यदि वह थोड़ा सा रुक कर और मुड़कर लिपटी हुई पुस्तक को देखता कि एलिय्याह ने हाल ही में क्या कहा है!

83 तब, मिकायाह कुछ नहीं कह सका था, वह नहीं जानता था, परन्तु हो सकता था कि परमेश्वर ने इसके लिए उसे क्षमा कर दिया हो। परन्तु पहले, एक भविष्यव्यक्ता होने के कारण, वह परमेश्वर के पास गया कि मालूम करे कि परमेश्वर ने क्या कहा है। और उसने मालूम किया कि परमेश्वर ने क्या कहा है। उसने कहा, "मैंने परमेश्वर को सिंहासन पर बैठे हुए देखा, और उसने कहा... स्वर्ग के सारे सलाहकार उसके आसपास जमा हुए, कहा, 'हम में से कौन नीचे जा सकता हैं और आहाब को यहाँ आने का कारण बना सकता है, तब हम उस भविष्यवाणी को पूरा कर सकते हैं जो उसके विषय में की गई है? ' "

84 भविष्यवाणी को देखिए, एलिय्याह ने पहले ही कह दिया था, "कुत्ते तेरा लहू चाटेंगे।"

85 और इसलिए उसने कहा, "एक झूठी आत्मा को नीचे से ऊपर आते देखा, ऊपर उसके सन्मुख आयी, कहा, 'मैं नीचे जाऊंगी और उसके भविष्यवक्ताओं के भीतर समा जाऊंगी, आहाब के भविष्यद्वक्ताओं में, और उनसे झूठ की भविष्यवाणी करवाऊंगी।'"

86 अब, परमेश्वर जानता था कि वे मनुष्य बहुत ही फूल गए है और धर्मज्ञान से इतने भर गए है कि उन्होंने सोचा उनके पास सारी चीजे ठीक है। उन्होंने उस घड़ी के सन्देश पर कभी भी ध्यान नहीं दिया। इसलिए परमेश्वर ने कहा, "तू सफल होगी; नीचे जाओ।" और जब मिकायाह ने कहा कि इस से वे आत्मा की अधीनता में भविष्यवाणी कर रहे है। उन्होंने टेलीफोन का तार खींच कर निकाल दिया, या रेडियो को बंद कर दिया, या कुछ भी किया होगा; जब अपने विरोध में सुना, तो खड़े होकर और बाहर निकल गए। परन्तु देखिए क्या घटित हुआ। अब, मिकायाह को अपना दर्शन लिखित वचन के साथ जांचना, इसलिए वह जानता था।

87 उसने कहा, "जब मैं आता हूं... इस व्यक्ति को जेल में डाल दो, उसे दु:ख का पानी और दु:ख की रोटी दो। जब मैं वापस आता हूं, तब मैं उसे देखुंगा।"

88 उसने कहा, "यदि तू वापस आता है, तो परमेश्वर ने मुझसे कभी बात नहीं की।" यही है जब कि वह जानता था कि उसका दर्शन वचनानुसार है उस घड़ी के लिए। यह आहाब का समय था।

89 भाईयो, बहनों, यह बाबुल से बाहर बुलाये जाने का समय है। सांझ के उजियाला यहां पर है। जब उजियाला है, तो उजियाले में चलो। ध्यान दें, विश्वासियों ने वचन को प्रगट होते देखा और उसका विश्वास किया। यीशु ने कहा, "मेरी भेड़ मेरी आवाज को जानती है, मेरे वचन को, इस युग का मेरा चिन्ह। झूठे का वे अनुकरण नहीं करेंगे।"

90 अब आईये हम अपने विषय को ले, क्योंकि मैं देखता हूं कि मैं दूर हट रहा हूं। मैं प्रार्थना पंक्ति पर अधिक जोर देना चाहता हूं। आईये अपने विषय पर वापस चले, जिसे हमने विचार के लिए लिया है, अब यहाँ एक मिनट। अच्छा, देखिए यह फिर से होगा जैसा कि यह होता रहा है।

91 परमेश्वर ने अपने भविष्यव्यक्ता को भेजा, यूहन्ना, जैसा कि उसके वचन ने कहा था, मलाकी 3 में प्रतिज्ञा की थी, "देखो, मैं अपने दूत को अपने आगे–आगे भेजता हूं, कि मार्ग को तैयार करे।" यूहन्ना ने इसी चीज

की गवाही दी। और हम यशायाह 40:3 में भी यही पाते हैं कि यशायाह ने कहा कि, "वहां भविष्यव्यक्ता की आवाज होगी, जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द होगा कि, 'प्रभु का मार्ग तैयार करो।'" समझे? वे सारी भविष्यवाणियां! और—और जल्द देखिए, की पवित्र वचन ने उसे प्रमाणित किया है।

जब उन्होंने कहा कि, "तू कौन है? क्या तू मसीह हैं?"

उसने कहा, "मैं नहीं हूं।"

"क्या तू यर्मयाह है? भविष्यवक्ताओं, या उनमें से एक?"

92 उसने कहा, "मैं नहीं हूं। परन्तु मैं जंगल में एक पुकारने वाली एक आवाज़ हूं, जैसा कि भविष्यवक्ता यशायाह ने कहा।"

93 आप सोचते हैं कि वे विश्वास करेंगे? नहीं, श्रीमान। क्यों? क्योंकि वह उनकी कलीसिया के द्वारा नहीं आया। वह उनमें का नहीं था... देखिए, वह नौ वर्ष की आयू में जंगल को चला गया था, और तीस वर्ष का होकर लौटा। धर्म विद्यालय में जाने के हिसाब से उसका संदेश बहुत बड़ा था; यह वह था जो उस—उस मसीहा का परिचय कराने वाला था। और हर कोई उसे *इस* ओर *और उस* ओर खींच रहा था। और उसके पिता जकर्याह की मृत्यु के पश्चात, परमेश्वर ने उसे जंगल में भेज दिया। और वह एक याजक था, परंतु वह अपने पिता की लीक पर ना चला।

94 क्योंकि, भविष्यवक्ता इस प्रकार की चीजों में से निकल कर नहीं आते। वे कठिनाईयो के देश जंगल में से निकल कर आते है। कोई भी मनुष्य नहीं जानता कि वे कहां से आते हैं, या वे दृश्य पर कैसे उठते हैं, या उनका कोई भी इतिहास। वे बस आते है और वचन को प्रचार करते हैं, और परमेश्वर उन्हें लाता है, और वे अलग चले जाते हैं; उस पीढ़ी को दोषी ठहराते है, और उसके वचन में आगे बढ़ते जाते है, और उस महान दिन की प्रतीक्षा कर रहे है।

95 कलीसिया ने उस पर विश्वास ना किया, क्योंकि वे उसे नहीं जानते थे। उसके पास उसके अपने अभिषेक का उनकी पुस्तकों में कोई लेख नहीं था, इसलिए उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया। देखिए, उन्होंने परमेश्वर के प्रमाणित वचन का विश्वास नहीं किया, जो शब्द दर शब्द प्रमाणित था। समझे? मलाकी 3, दो पवित्र लेखो ने उसे प्रमाणित किया, मलाकी 3 और

यशायाह 40:3। देखो, यह दोनों लेख आने वाले व्यक्ति के विषय बताते है, प्रभु का मार्ग तैयार करो। वह हर विशिष्टता से मेल खाता था।

96 उसे भविष्यवक्ता होना था। "मैं तुम्हारे पास एलीशा को भेजुंगा।" और वह वहां, हर प्रकार की कठोरता में था। ध्यान दे उसका स्वभाव किस प्रकार से एलिय्याह से मिलता जुलता था। एलिय्याह जंगल में रहने वाला मनुष्य था, ऐसा ही यूहन्ना था; बाहर। वह एक कोमल मनुष्य नहीं था, वह एक कठोर मनुष्य था।

97 फिर से ध्यान दें, एलिय्याह स्त्रियों से घृणा करता था, उसने ईजाबेल को उसके शृंगार आदि के विषय में बताया, और कहां उसे रुकना और कहां उसे चलना चाहिए। ऐसे ही यूहन्ना था। ईजाबेल ने एलिय्याह को मारने का यत्न किया, अपने देवताओं की शपथ खाई कि वह उसके सिर को अलग कर देगी। ऐसा ही हिरोदिया ने किया। समझे?

98 सब उनके संदेशो पर ध्यान दें, ध्यान दें कि उन्होंने क्या किया। अब हम पाते हैं कि यदि उन्होंने पीछे मुड़कर देखा होता और देखा होता कि बाईबल ने क्या कहा है, और उस व्यक्ति के स्वभाव पर ध्यान दिया होता और वह उस समय के वचनों और हर एक बातों के साथ कितना सिद्ध था, उन्हें जान जाना चाहिए था वह वही था। लगभग आधा दर्जन लोग ही इसे जान पाए। यह ठीक बात है। आधा दर्जन से अधिक लोग अनुभव ही नहीं कर पाए। वे उसे सुनने के लिए गए, परन्तु उन्होंने इसका विश्वास नहीं किया। समझे? क्यों? उन्होंने भविष्यवाणी के प्रमाणित होने को जो उनके समय में था विश्वास नहीं किया।

99 ध्यान दें, वे उस पर हंसे, उसे कुछ "जंगली, चिल्लाने वाला कहा, अनपढ़, सनकी जो स्कूल नहीं गया, 'प्रहार, नहीं है, ले जाना, लाना, प्राप्त करना,' और आदि–आदि।" जैसे होता है उन्होंने उसे उसकी शिक्षा से परखा। उन्होंने उसे उसकी भाषा शैली से परखा, किस प्रकार के वह कपड़े पहनता है। भेड़ की खाल लपेटे रहता है, ऊंट की खाल का पटुका, और उसके सारे शरीर पर बाल थे। पानी में चलकर बाहर आता है; कोई कलीसिया नही, कोई प्रचार मंच नहीं, कोई सहयोग नहीं; वे इसे स्वीकार नहीं कर सके; वे संसार के ईश्वर की आराधना कर रहे थे। समझे?

100 मेरे कहने का अर्थ यह नहीं है कि झूठे भविष्यद्वक्ता नहीं आये, जैसे यम्ब्रेस और यन्नेस थे। परन्तु जिस प्रकार आप करना चाहते हैं, कि वचन

के द्वारा मूल सन्देश को परखे, तब ये आपको मिल जाता है; कि यह किस काल में है, और उस युग के लिए क्या भविष्यवाणी है।

101 यूहन्ना की भविष्यवाणी परमेश्वर के अपने ही योजना के द्वारा प्रमाणित हुई थी। देखिए कितनी सिद्ध। बाईबल ने कहा, "प्रभु का वचन भविष्यवक्ता के पास आता है।" और यीशु वचन था। और यूहन्ना वचन के आने और उसके पूरा होने की भविष्यवाणी कर रहा था; और यीशु, वचन, पानी में भविष्यवक्ता के पास आया। ओह, कितना सुंदर! कितना अचूक... समझे? उस दिनो में वचन एक दुर्लभ बात थी। यहां भविष्यवक्ता यह कहता हुआ आ रहा है, "मैं वचन की आवाज हूं।"

उन्होंने कहा, "हमें क्या करना चाहिए? "

102 कहा, "मैं उसके जूते को खोलने के भी योग्य नहीं हूं। परन्तु एक तुम्हारे मध्य में खड़ा हुआ है, यहीं कही, वही वो एक है जो तुम्हे पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। उसका सूपा उसके हाथ में है, और अपने खलियान को अच्छी तरह साफ करेगा, और भूसी को ना बुझने वाली आग में जलायेगा, और बीज को भंडार में ले जायेगा।" ओह, क्या ही भविष्यवक्ता है! यीशु ने कहा कि आज के दिन तक स्त्री से कोई इतना महान पुरुष कभी नहीं जन्मा। ओह, कितना गरजने वाला! वह कैसे जानता था कि वह कहां पर खड़ा है! वह बिल्कुल ठीक जानता था। उसने परमेश्वर से सुना, और यह ठीक वचन के साथ था, इसलिए उसने चिन्ता नहीं की कि लोगों ने क्या कहा। उसने इसे प्रचार किया और इसकी भविष्यवाणी की, जो भी है। और ध्यान दें, जब एक मनुष्य उसका पक्ष लेता है जो सत्य है, तब परमेश्वर इस बात के लिए बाध्य है कि परमेश्वर उस व्यक्ति को सत्य प्रमाणित करे।

103 जब मूसा वहां मिस्र में आया, और उसने कहा, "मैं वहां जंगल में था, और झाड़ी को जलते देखा, और वह भस्म नहीं हुई। मैं उस पेड़ के पास गया, और, जब मैं पहुंचा, तो वहां एक महान अग्नि स्तंभ मंडरा रहा था। और एक आवाज ने कहा, '**मैं जो हूं सो हूं**।' और उसने मुझसे कहा कि इस छड़ी को ले और यहां आकर और उन आश्चर्यकर्मो को कर, और परमेश्वर अपने वचन को प्रमाणित करेगा।" अपनी छड़ी बाहर खींची, और वहां कटकियां आ गयी, और कुटकियां और अंधकार और आदि–आदि। और उस भविष्यव्यक्ता को प्रमाणित करने हेतू, वह उन विश्वासियों को वहां पहाड़ के पास ले आया, और परमेश्वर उसी अग्नि के स्तंभ में नीचे उतरा,

ठीक उसी पर्वत पर, और सिद्ध किया कि वह सही था।

अब देखिए कि वह इन दिनो में कर रहा है। ठीक वही।

104 अब, वचन भविष्यवक्ता के पास आया और उसे सच्चा व्यक्ति प्रमाणित किया, वही व्यक्ति जो पवित्र वचन ने कहा कि वह होगा। अब जल्दी से। परन्तु, फिर से, यीशु भविष्यवाणी के मनुष्य द्वारा दिए गए अनुवाद से भिन्न रूप में आया। मनुष्य के पास अनुवाद था कि क्या होगा। निश्चित ही। प्रेस्बिटेरियन सोचते हैं कि यह उनके लिए होना चाहिए। ध्यान दें, जब परमेश्वर कुछ करता है, ध्यान दे हर दूसरा संगठन एक के साथ उठ खड़ा होता है। जी हाँ, हमेशा से ऐसा ही रहा है। उनके पास हर कहीं यम्ब्रेस और यन्नेस है। ध्यान दें, उन्होंने वचन का भाग कहा। परन्तु, भविष्यवक्ता के वचन के अनुसार, हर अक्षर के साथ!

105 हमेशा की तरह, वे फिर से इससे चूक गए, और उसे ज्योतिविद्या बताने वाला कहा, "एक शैतान; बालजबूल," और कहा यह स्वयं को परमेश्वर बनाता है, जब कि उन्हें उनकी उसी बाईबल के अनुसार समझ जाना चाहिए था, कि वह परमेश्वर था।

ध्यान दें, उसकी भविष्यवाणी यशायाह 9:6 द्वारा हुई थी, कहा, "उसका नाम अद्भुत युक्ति करने वाला पराक्रमी परमेश्वर, सनातन का पिता रखा जायेगा।" उसके बाद और कोई पिता ना होगा, क्योंकि आरंभ में पहला पिता वही था, केवल वही पिता है; उसने कहा, "तुम पृथ्वी पर किसी को अपना 'पिता' ना कहना, ना ही इसके बाद।" "वही वो—वो पराक्रमी परमेश्वर है, और सनातन का पिता, युक्ती करने वाला, शांति का राजकुमार।" निश्चय ही।

106 अब, उन्होंने उसके साथ वही किया जो सब भविष्यवक्ताओं ने बताया कि वे ऐसा करेंगे, जैसा कि वे इस लौदिकिया युग में कर रहे हैं, उसे कलीसिया से बाहर कर दिया। "अंधे, नंगे, और यह नहीं जानते।" ठीक जैसा भविष्यवक्ता ने कहा, बाईबल के भविष्यवक्ता ने। मनुष्यो के रीति–रिवाजों के द्वारा अंधे किए गए, उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया, वचन को अपनी कलीसियाओं से बाहर, जैसा कि होता है, जैसी उनके लिए भविष्यवाणी है।

107 अब ध्यान दे, अब जल्दी से। अब इसमें ना चूके। यहाँ मूल पाठ है, कैसे यीशु ने स्वयं को उन दो चेलों पर प्रगट किया कि वह उनका मसीहा है!

अब, सारी आंखे इस ओर थी। और उस देश में, अब यहां चूके नही। हमने आपको यह बताने का यत्न किया है कि बाईबल परमेश्वर का वचन है, जो स्वयं परमेश्वर के द्वारा लिखा गया है, उन होठों के द्वारा और मनुष्य की यांत्रिकी से। परमेश्वर स्वयं लिख सकता है। परमेश्वर स्वयं बोल सकता है। परमेश्वर जो चाहे कर सकता है, परन्तु उसने इसे करने के लिए मनुष्य को चुना क्योंकि मनुष्य जिसने इसे लिखा है, वह परमेश्वर का भाग है। इसलिए, परमेश्वर ने बाईबल को लिखा। यहां तक कि मनुष्य अपने विचारो में नहीं जानता था कि वे क्या लिख रहे है। वे उस लिखे से असहमत हो सकते थे, परन्तु उन्होंने इसे लिखा। वे असमर्थ। बाईबल ने कहा, "पुराने मनुष्य, जैसे पवित्र आत्मा के द्वारा प्रेरित किए गए!" परमेश्वर ने उनके हाथ चलाए, दर्शनों में उनकी आंखे चलाई। वे और कुछ नहीं कह सकते थे सिवाये उसके जो वे देख रहे थे। वे कुछ भी नहीं बोल सकते थे, क्योंकि उसके पास जुबान, उंगलियो का पूर्ण नियंत्रण था, हर एक देह के भाग परमेश्वर से पूर्णत प्रभावित थे। कोई आश्चर्य नहीं बाईबल ने कहा वे ईश्वर थे, वे परमेश्वर का भाग थे! वो परमेश्वर की परिपूर्णता था।

108 ध्यान दें किस प्रकार यीशु, उस वचन ने इन दो टूटे हृदय वाले चेलो पर प्रगट किया कि वह उनका मसीहा है, मसीहा, प्रतिज्ञा का वचन। ध्यान दें, उसने क्या किया, उसने भविष्यवाणी को आकर्षित किया। ध्यान दें, "मूर्खों, भविष्यवक्ताओं के लेखो पर विश्वास करने में मंदमतियो।" अब, उसने कभी नहीं कहा, "अच्छा, क्या, कलीसिया इस विषय में क्या कहती है? "

109 उन्होंने उसे पूरी कहानी सुनाई। वे सारी घटनाये जो घटी थी जानते थे। वे बहुत उदास थे। उन्होंने उसे बताना आरंभ किया, "क्या तू यहाँ नया परदेसी है, या तू नहीं जानता कि यरूशलेम में क्या घटित हुआ? "

110 उसने कहा, "क्या बातें? " जैसे कि उसे नहीं मालूम। देखिए, कभी–कभी वह ऐसे कार्य करता है यह देखने के लिए कि आप इस विषय में क्या करेंगे। समझे? कहा, "कैसी बातें? यह कौन था? क्या घटित हुआ? "

111 "क्या तू यहां पर परदेसी है? " और वे उसी व्यक्ति से बात कर रहे थे जिसके साथ वे साढे तीन वर्षो से रह रहे थे, और उसे नहीं जान पाए।

"कौन सी बातें? क्या हुआ? "

112 "तो ठीक है," अरे उन्होंने कहा, "नासरत का यीशु, जो कि एक

भविष्यवक्ता था। हमारे मस्तिष्क में कोई संदेह नहीं है। वह सब लोगो के सामने वचन और कार्य में सामर्थी था। हमने उसे उन कार्यो को करते देखा कि वह इस युग के लिए परमेश्वर का प्रमाणित भविष्यव्यक्ता था। हम यह जानते हैं। और हमें विश्वास था कि वह छुड़ाने वाला होगा, कि वह इस्राएल को छुड़ाएगा।"

113 तब वह मुड़ा और बोला, "तुम निर्बुद्धियो, उसके विषय में भविष्यवक्ताओं की बातो पर विश्वास करने में मन्दमतियों जो उसके विषय में कहा क्या घटित नहीं होगा?" समझे? उस पर अब ध्यान दो और भविष्यवाणी पर वापस जाओ। विश्वासियों के लिए कैसी झिड़की है, दावा किया था कि वे उस पर विश्वास कर चुके है!

114 ध्यान दें कि उसने विषय को किस प्रकार पकड़ा। उसने कभी भी सीधे–सीधे आकर और यह नहीं कहा, "मैं तुम्हारा मसीहा हूं।" वह यह कर सकता था, क्योंकि वह था। परन्तु ध्यान दें उसने स्वयं को वचन में प्रमाणित किया तब वे जानेगे। यदि उसने यह कहा होता, तो वह कह सकता था और यह उस प्रकार से नहीं होता; परंतु जब वह गया और सब भविष्यवक्ताओं पर बोलना आरंभ किया जो उसके विषय में कहा गया था, और उन्होंने यह देखा, तब वे अपने में यह कह सकते थे, यदि वे परमेश्वर की संतान थे। परन्तु उनके ध्यान को जो भविष्यवक्ताओं ने पहले से कहा उधर ले गया और कहा कि उस समय में देखने के लिए कहा कि मसीहा, उसका युग, प्रगट होगा। वह, जैसे यूहन्ना, वचन, बाईबल, उनके संदेश को प्रमाणित करे। कोई भी सच्चा भविष्यवक्ता यही करेगा। जी हां। बाहर निकल कर नहीं आया और कहे, "मैं वह हूं। मैं हूं... " यह परमेश्वर का सच्चा भविष्यव्यक्ता नहीं है। देखा? परन्तु उसने कहा, "पवित्र वचनो में वापस जाओ।" देखा, वह अपने कार्य करने की पद्धति में कभी असफल नहीं हुआ। समझे?

उसने कहा, "हम मूसा को जानते हैं।"

115 उसने कहा, "यदि तुम मूसा को जानते होते, तो तुम मुझे भी जानते।" उसने कहा, "मूसा ने मेरे विषय में लिखा है।" कहा, "पवित्र शास्त्र में ढूंढो, उसमें तुम सोचते हो कि तुम्हें अनन्त जीवन मिलता है, और पवित्र शास्त्र जो मेरी ही गवाही देता है। जाओ और जाकर वचन में ढूंढो और इसे देखो।"

116 यहाँ वह अपनी कार्य पद्धति कभी नहीं बदलता, कभी नहीं बदला है।

वह कभी नहीं बदल सकता, क्योंकि वह ना बदलने वाला परमेश्वर है। समझे? ध्यान दें, वह सीधा इन दो चेलो के पास वापस गया, क्लीओपस और उसका मित्र, अम्माऊस के मार्ग पर, और कहा, पवित्र वचनों के लिए उन से आग्रह किया, कहा, "तुम क्यों इतने निबुद्धि हो उन प्रत्येक वचनो के लिए जो भविष्यवक्ताओं ने लिखा मसीह के विषय में लिखे उसे पूरा ही होना है?" ओह, क्या ही दिन है!

117 यूहन्ना ने भी वही किया। "पवित्र शास्त्र में ढूंढो, पीछे मुड़कर देखो, कहा वहां 'जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द हो रहा है।' मैं कहां से आया हूं?" समझे? यही है, जिसे उन पर इसको स्पष्ट कर देना चाहिए। ठीक है!

118 आज इसे स्पष्ट होना चाहिए, वह बातें जो हम देखते है, जो पवित्र आत्मा कर रहा हैं। उसने एक बार कहा, "पवित्र शास्त्र में ढूंढो।" और हम... वह आज हम से यह करवाना चाहता है।

119 ध्यान दें, बाईबल ने कहा उसने मूसा की भविष्यवाणी से आरंभ किया, "उसने, मूसा से शुरू किया और सारे भविष्यद्वक्ताओं से," परंतु उसने मूसा से आरंभ किया। "एक भविष्यव्यक्ता," मूसा ने कहा, "तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम लोगों के मध्य में से, लोगों में से उठा खड़ा करेगा। प्रभु परमेश्वर भविष्यवक्ता को उठा खड़ा करेगा।"

120 अब वो यह कह सकता था, "क्लियोपास, और तुम्हारा मित्र जो यहां है, क्या मूसा ने नहीं कहा कि इन दिनों में प्रभु परमेश्वर एक भविष्यवक्ता को उठायेगा? और यह मनुष्य जिसे उन्होंने क्रूस पर चढ़ाया, क्या उसने उस योग्यता से मेल खाया? अब, मूसा ने यह भविष्यवाणी की। और अब तुम्हारे पास सैकड़ों और सैकड़ों वर्षों से भविष्यवक्ता नहीं है, और यहाँ यह मनुष्य उठा। और इस मनुष्य के आगे–आगे चलने वाला क्या था, क्या तुमने कहा?" समझे इसे? और सब भविष्यद्वक्ताओं ने उसके विषय में कहा, उसके युग के विषय में, वह उनसे बोला। निश्चय ही यह बहुत ही रुचीकर होता उनके सुनने में। क्या आप उसे सुनना पसंद नहीं करते? मैं उसे सुनना चाहता, उसे सुनना चाहता हूं, जो उसने कहा वही भविष्यवक्ताओं ने उसके विषय में कहा, परन्तु उसने यह कभी नहीं कहा कि वह वही था। उसने उन्हें केवल भविष्यवाणी के द्वारा दिखाया। उसने केवल कहा कि, "भविष्यवक्ता ने कहा है कि यह घटित होगा।" समझे?

121 आइए बस कुछ मिनटों के लिए हम थोड़ा वापस चले, और अब आइए

हम उन वचनों को सुनें जो उसने अपने लिए उल्लेख में दिए। यहां ध्यान दे, वचन स्वयं अपना ही उल्लेख कर रहा है। वचन स्वयं का स्वयं ही उल्लेख कर रहा है। यह नहीं बताता है कि वह वही था, परन्तु केवल वचन स्वयं के विषय में बोलता है, तब वे जान जाते है कि वह कौन था। वचन का अक्षर, वचन का उल्लेख कर रहा है... वचन देह में, अक्षर के वचन का उल्लेख कर रहा है, स्वयं में पूर्णत प्रमाणित होते हुए। इधर देखिए, अब हम उसे उल्लेख करते हुए सुनें। कैसे... अब, हम जानते हैं कि उन्हें अन्तिम घटनाओं का सारांश दे दिया गया था, जो कि क्रूस पर चढ़ाये जाने का और पुनरुत्थान की कथा का, कब्र का, जैसा कि हमने अभी पढ़ा। अब वह अपने विषय में भविष्यवाणी के वचन में सीधा चला गया। अब हम थोड़ा सोचें कि उसने यह कहा; उसने इससे कुछ अधिक कहा, परंतु ध्यान दे।

122 आइए हम उसे कहने दे... उसे कहते हुए सुने, "जकर्याह 11:12 निकाले। और क्या भविष्यवक्ता के अनुसार मसीहा को बेचा नहीं जाना था, चांदी के तीस सिक्कों के लिए? तुमने अभी कहा कि यह मनुष्य चांदी के तीस सिक्कों में बेचा गया था। निकालिए... " आप इन वचनो को ले रहे हैं? जकर्याह 11:12। और तब उसने कहा, "क्या तुमने ध्यान दिया कि दाऊद ने भजन संहिता में क्या कहा, भजन संहिता 41:9? उसे अपने मित्रों के द्वारा धोखा मिला। और फिर से, जकर्याह 13:7 में, वह अपने चेलो के द्वारा छोड़ दिया गया था। और भजन संहिता 35:11 में, झूठे गवाहों के द्वारा दोषी ठहराया गया। तुमने अभी कहा उसके साथ हुआ था। यशायाह 53:7, वह अपने दोष लगाने वालों के सामने चुप रहा। यशायाह 50:6, भविष्यवक्ता ने कहा उन्होंने उसको कोड़े मारे। भजन संहिता 22, उसे क्रूस पर चिल्लाना था, 'हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? ' क्या उसने बीते परसों दोपहर बाद यही किया? भजन संहिता 22 फिर से, 18, उसके कपड़े उन्होंने आपस में बांट लिए। क्या उन्होंने ऐसा किया? और भजन संहिता 22:7 से 8, उसके बैरियो द्वारा उसका ठट्ठा उड़ाया गया, कलीसिया। फिर से भजन संहिता 22, उसके शरीर की एक भी हड्डी तोड़ी नहीं गयी थी, परन्तु 'उन्होंने मेरे हाथों और मेरे पैरों को छेद दिये, '" उसने कहा। उसके हाथों को पीछे से पकड़े हुए थे, उस समय, कोई संदेह नहीं। "यशायाह 53:12 ने कहा कि वह अपराधियों के मध्य में मारा जायेगा। यशायाह 53:9 ने कहा कि वह धनवान के संग गाड़ा गया। भजन संहिता 16:10 ने कहा, 'मैं उसके प्राणो को अधोलोक

में ना छोडुंगा, और ना ही मैं अपने पवित्र जन को सड़ने दुंगा।' और क्या मलाकी 3 नहीं था, इस मनुष्य के आगे–आगे चलने वाला? " ओह, मैं उसे यह उल्लेख देते हुए सुनना चाहता हूं। भविष्यवाणियों को देखिए! ध्यान दें, वह सारे प्रतिको में से होकर निकला, इसहाक के विषय में, उत्पत्ति 22 में, कैसे परमेश्वर ने इसहाक को प्रतिछाया में दिखाया, कैसे पिता अब्राहम ने अपना पुत्र लिया, लकड़ी को लेकर पहाड़ पर गया, और अपने ही पुत्र को भेट चढ़ाया।

123 अब यह उनकी समझ में आने के लिए आरम्भ था। उसने उन्हें बताया था कि वे उस दिन की भविष्यवाणीयो को देखने में कितने मंदमति थे। और कैसे यह उनकी समझ में आने लगा, और इस सब को पूरा होते हुए, देखते हुए, जो कि अन्तिम कुछ दिनों में घटित हुआ था, अन्तिम दो या तीन वर्षों में, उस युग की भविष्यवाणी प्रमाणित हुई। तब वे क्रूस पर चढ़ाए गए अपने मित्र यीशु को जान गए, जिसने इसके हर एक वचन को पूरा किया था। ओह, तब वे जान गए कि वह मनुष्य सच में वही मसीहा था, जिसे—जिसे कि उसे मृतको में से जी उठना था। "कब्र उसे रोक ना सकी। 'मैं अपने पवित्र जन को सड़ने ना दूंगा।' भविष्यवाणी का एक भी वचन कभी असफल नहीं हो सकता। और वह जी उठा।"

124 "तो फिर प्रात: जो कब्र पर से सन्देश लाने वाले ठीक थे। वह मरे हुओं में से जी उठा है। वह जीवित है। वह वही मसीहा है।" क्यों? इसे असफल मत करो। "उसका व्यवहार, उसकी सेवकाई और हर चीज जो उसने किया प्रमाणित हुआ है वचन के द्वारा जो भविष्यवक्ता ने कहा इस दिन में घटित होगा। यह यहां हो गया।" तब वे यह जान गए कि यह वही था, उनका क्रूस पर चढ़ाया गया मित्र, यीशु, जिसने यह किया है। कोई आश्चर्य नहीं कि उनके ह्रदय जब वह उन से बातें कर रहा था तो उत्तेजित हो गए थे। अब वे छह मील चले, और ऐसा लगा जैसे ये बहुत थोड़ा ही समय हुआ है।

125 और यहाँ इन्होंने एक और चीज की थी, आप जानते हैं, उन्होंने भविष्यवाणी पर प्रमाणित होते हुए छह घंटे का उपदेश सुना। उसने सारे मार्ग पर जाते हुए यही बातें की। जैसे ही उन्होंने मार्ग पर चलना आरंभ किया, वह बाहर आया, क्योंकि वह ठीक वही यरूशलेम में था। छह घंटो के–... पश्चात, साठ फर्लांग, वे ठीक अम्माऊस छह मील के लिए मार्ग पर

थे। यही तो है यह। और उसने प्रचार करके, छह घंटो में भविष्यवाणियो की पुष्टी की थी। मेरे तीन पर मुझे दोषी ना ठहराये, तब, देखे। समझे? परन्तु ध्यान दें, उन्होंने प्रचार किया था... वह... उन्होंने भविष्यवाणी पर छह घंटो के उपदेश की पुष्टी, प्रमाणित होते हुए सुना।

126 अब यह सांझ का समय आ रहा था। आप जानते हैं, कि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। यह तब हुआ फिर उसने समझने के लिए उनकी आंखें खोल दी कि इब्रानियों 13:8, वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। सांझ के समय, घटनाये भविष्यवाणी के द्वारा स्पष्ट हुई। इस आधुनिक घड़ी में क्या हो रहा है, सरलता से प्रमाणित किया जा सकता है यदि आप केवल समय की भविष्यवाणी का विश्वास करे।

127 "हां, निर्बुद्धियो, समझने में मंदमतियो, विश्वास करने में मंद (आप इस पर विचार करते रहे), यह विश्वास करने के लिए कि सारे भविष्यवक्ताओं ने मसीहा के विषय में जो कहा, क्या उसे घटित नहीं होना था? " अब उसने इन सारी बातों को परख लिया है और दर्शाया की भविष्यवक्ता ने क्या कहा कि वही घटित होगा। तब वे समझने लगे। इसलिए उसने कहा... ऐसे ही करो उसे इसी प्रकार से करते जाना था। उन्होंने इस मनुष्य को पसंद किया। उन्होंने कहा, "तू, तूने हमें कुछ तो दिया है। हमने ऐसा कभी नहीं सोचा। वह कहीं पर तो जीवित है।" वे उससे बात कर रहे थे, और इसे नहीं जानते थे। इसलिए वह... और कोई संदेह नहीं कि उसने उन्हें उदास होकर देखा, और उसने आगे बढ़ना आरंभ किया, परन्तु वह— वह उनकी प्रतीक्षा कर रहा था कि वे उसे निमन्त्रण दे। और यही वह आज रात्री प्रतीक्षा कर रहा है, कि आप उसे निमन्त्रण दे।

128 ध्यान दें, जब इन चेलों ने उसे निमन्त्रण दिया कि मेज पर उनकी संगति में आये, यह तब था कि उसने कुछ उस प्रकार किया जो उसने क्रूस पर चढ़ने से पहले किया था, और उनकी आंखें खुल गई थी। वे उसके व्यवहार, और विधी को जानते थे। वे जान गए कि उसने क्या किया है, और उसने वैसे ही किया जैसे पहले किया था। और उन्होंने कहा, "यह तो वही है!" और एकदम से वे इस बात को चिल्लाने के लिए उठे, और ओझल हो गया। और जहां उन्होंने इस उपदेश को सुनने के लिए छह घंटे लिए थे, हो सकता है पैरो को बीस मिनट का आराम देने वे पश्चात बाकियो को बताने के उल्टे पैर चल दिए, "वह वास्तव में वह जी उठा है। वह वास्तव

में जीवित है।"

129 मित्रों, यह मलाकी 4, संत लूका 17, संत यूहन्ना 15 का पूरा होना है, ओह, बहुत सारे, प्रकाशितवाक्य 10, और बहुत सारी भविष्यवाणियों का पूरा होना है जो कि ठीक इस दिन के लिए उन पर उंगली रखी जा सकती हैं। और मत्ती और मरकुस की पुस्तक में भी, जहां उसने कहा कि यह बड़े–बड़े चिन्ह और आश्चर्यकर्म आकाश में प्रगट होंगे, और लोग उन को तश्तरी कहते हैं, उड़न तश्तरी, जो इसमें हो सकता हैं—सकता है, सामर्थ और विचार की गति से गायब हो जाती हैं, बुद्धिमत्ता जो अंदर जा सकती है। वह लिख सकता है, वह बोल सकता है, वो जो चाहे वो कर सकता है। वो महान अग्नि का स्तंभ, "कल, आज, और सर्वदा एक सा है।" और पृथ्वी पर दृश्य दिखाई पड़ते है, पिरामिड रूपी धुंआ हवा में उठता हैं, जहां की नमी नहीं हो सकती और ना ही कुछ तीस मील ऊपर। इसके घटित होने से एक डेढ़ वर्ष पहले बता दिया गया था, कि यह इस प्रकार से होगा। तब चित्र को घुमाकर और देखो कि यह कौन नीचे देख रहा है। जो भी बताया गया उसमें एक शब्द भी असफल नहीं हुआ, और यहां परमेश्वर का वचन सत्य की पुष्टी कर रहा है। और अब फिर से यह सांझ का समय है। मुझे अचरज होगा यदि वह अनुग्रह में वापस आएगा, और अब कुछ करेगा जैसा उसने पहले किया था। आइए हम उससे प्रार्थना करें और उससे मांगे। घटनाये प्रमाणित भविष्यवाणी के द्वारा स्पष्ट हुई।

130 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, हमारी सहायता करें। सर्वशक्तिमान परमेश्वर, हमारी सहायता कर, हमारी सहायता कर कि उन बातों को समझ सके जो बातें हमें जाननी चाहिए, तेरे वचन को समझे। और अब, प्रभु, अब हमने लगभग दो हजार वर्षों में लिखी हुयी, पुस्तकों पर उपदेश सुना है। और इन अंतिम दिनों में यहाँ यह फिर से वापस आ गया है, और अब यह सांझ के समय की ओर है। मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, और उनमें से बहुत सो ने इन युगो में आपसे बातें की हैं, और हो सकता है इस महान दिन के साथ–साथ वहां ना रात या दिन था, जैसे कि भविष्यवक्ता ने कहा, परंतु सांझ के समय में उजियाला होगा। यीशु कब्र में से जी उठकर शमौन और स्त्रियों पर प्रगट हुआ, और उन्हें दर्शाया कि वह जीवित था। वह सुबह का समय था। और फिर सांझ को वह फिर से वापस आया। परन्तु दिन में उनके साथ चला, उनके अंधेपन के लिए उन्हें फटकारा, तब फिर उसने स्वयं को उन पर प्रगट किया, सांझ के समय में।

131 परमेश्वर, आज रात्री हमारी संगति में आईये कि हम वचन के इर्द–गिर्द है। परमेश्वर, आज लोगों में यह विश्वास बड़ा कठिन है, लेकिन मैं धन्यवादित हूं कि आपने कुछ लोगों बुलाया है और उन्हें अनंत जीवन के लिए अभिषिक्त किया है, और आपने कहा, "जितनों को पिता ने मुझे दिया है मेरे पास आयेगा।" और अब जबकि सांझ के उजियाला चमक रहा है, जबकि प्रभु आपने ऐसा होने दिया, कि एक भी भविष्यवाणी (सैकड़ों में से जो की गयी) कभी भी एक बार असफल नहीं हुई। तब सच में यदि यह प्रमाणित है, तो यह आप ही हैं, क्योंकि कोई व्यक्ति इतना परिशुद्ध नहीं हो सकता है। बिल्कुल बाईबल के समान, कोई भी मनुष्य नहीं लिख सका, कोई भी इस सोलह सौ वर्षों की अवधी में, चालीस विभिन्न लेखकों के द्वारा, यह लिख सकता था, और इसमें एक भी गलती नहीं।

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आज रात्री आप स्वयं को इब्रानियों 13:8 का होते हुए प्रगट करेंगे, कि आप कल, आज और सर्वदा एक से है। और वे कार्य जो आपने तब किए, आप आज करते हैं। और आपने कहा कि आपने प्रतिज्ञा की है, "इन अंतिम दिनों में, जब कि संसार सदोम और अमोरा की भ्रष्टता में विद्यमान है।" हम इन लड़कों को देखते है जो कि लड़कियों के समान कपड़े पहने हुए है, और—और लड़कियों को लड़कों के समान कार्य करते देखते हैं, और इस भ्रष्ट युग में स्त्रियों और पुरुषों को देखते हैं, देखिए कामुकता का आकर्षण एक—एक मूर्तीपूजा के समान हो गया है। सुसमाचार एक ओर धकेल दिया गया है, और लौदिकिया कलीसिया में नग्नता। हे परमेश्वर, कैसी घड़ी है! आओ, प्रभु यीशु, स्वयं को हम पर प्रगट कर। क्योंकि हम यह यीशु के नाम से मांगते हैं।

132 अब जबकि आपने अपने सिरों को झुकाया हुआ है, अपनी आंखो को बंद किया हुआ है, तो मैं आपसे कुछ पूछने जा रहा हूं। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर यहां पर है? क्या आप विश्वास करते हैं कि जो बातें आज की जा रही है, ये भविष्यवाणी का पूरा होना है? क्या तुम विश्वास करते हो कि यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है? क्या आप विश्वास करते हैं जब वह यहां शरीर में प्रगट हुआ और उस दिन के लिए, और जो कार्य उसने वहां किए, उन्हें यहां पर फिर से इस दिन में दोहराना था? भविष्यवक्ता ने इस प्रकार से कहा है। बाईबल ने ऐसा कहा है। सारा का सारा पवित्र वचन पूरा होना चाहिए, यह असफल नहीं हो सकता। उसने कैसे स्वयं को प्रमाणित किया? वह भविष्यवक्ता होने के द्वारा जिसे विषय

मूसा बोला था। लोगों के हृदय के भेदों को जान गया। स्त्री ने उसका कपड़ा छुआ, उसने घूमकर और कहा, "तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया।" जब शमौन पतरस उसके पास आया, तो वह उसका नाम जानता था, उसे बताया कि वह कौन था, उसका पिता कौन था। और वही प्यारा यीशु मरा नहीं है, वह सदा के लिए जीवित है। परमेश्वर की महिमा हो! और अब इस सांझ के समय में, मैं विश्वास करता हूं, उसने हमें फिर से एक साथ बुलाया है।

133 ओह प्रभु यीशु, हमारे मध्य में आ जा। हमें छोड़ कर आगे ना बढ़। आकर, आज रात्री हमारे साथ रह जब तक यह रात्री पूरी हो, तब कल हमें अपने साथ जाने दे; ताकि हम तुझे तेरी पुनरुत्थान की सामर्थ में जान सके, ताकि तेरा प्रेम और अनुग्रह और दया हमारे साथ हो। हे अनंत परमेश्वर, इन बातों को प्रदान करें। हम जानते हैं केवल अकेला परमेश्वर ही इन्हें प्रदान कर सकता है।

134 इस घडी के गंभीर भाव में, आइए हम यह कहे। परमेश्वर, हमारे पिता, हमारे निर्बल शरीर आपके लिए मन्दिर है। परन्तु, प्रभु, आपका पवित्र करने वाला अनुग्रह, आपका पवित्र आत्मा, अब आये। हमें प्रत्येक संदेह और प्रत्येक घबराहट, प्रत्येक संदिग्ध और संदेहवाद की प्रत्येक पंक्ति से शुद्ध करें जो भी हम में हो, ताकि हम बिना किसी संदेह के स्वतंत्र हो; बाहर आये, पतरस के समान स्वीकार करे, "तू मसीह है, कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

135 प्रभु, हम विश्वास करते हैं कि आपका वचन सत्य है। आइए हम जरा देखें, इससे पहले कि हम यह प्रार्थना पंक्ति आरंभ करें, प्रभु, स्वयं को हम पर प्रगट करे। जैसा कि आपने कहा, "जैसा लूत के दिनों में था," जब अब्राहम, वह बाहर बुलाया गया झुण्ड एक प्रतिज्ञा के पुत्र की प्रतीक्षा कर रहा था, लूत वहां नीचे आधुनिक बिली ग्राहम और एक ओरल रॉबर्ट को सुन रहा था वह नामधारी व्यवस्था वहां, एक राष्ट्र के समान। परन्तु अब्राहम बिना किसी संस्था के परदेशी था, यह छोटा सा झुंड उस भूमी पर इधर–उधर भटक रहा है जिसका वह वारिस था। "और नम्र लोग पृथ्वी के अधिकारी होंगे।" एक दिन, पेड़ की छाया तले, जब की वे बैठे हुए थे, विश्राम कर रहे थे, परमेश्वर एक मनुष्य के रूप में वहां आ गया। दो दूत नीचे सदोम में चले गए। और परमेश्वर मनुष्य की देह में यह सिद्ध करता

है कि वह वही था, उसने कहा, "अब्राहम, तेरी पत्नी साराह कहां है?" कुछ दिनों पहले, वो अब्राम था; और एस–ए–आर–आर–ए, सारा; साराह नहीं, "राजकुमारी।" और आपने उसे राजकुमारी के नाम के द्वारा पुकारा, एक राजा की पुत्री। आपने अब्राहम को उसके नाम अब्राहम से पुकारा, राष्ट्रों का पिता। और आपने कहा, "मैं तुझ से भेंट करने वाला हूं।"

136 परमेश्वर, भविष्यवक्ता के ह्रदय को कैसे कूदना चाहिए था! वह जान गया कि आप तब कौन थे। कोई आश्चर्य नहीं उसने आपके पैर धोये, और जितना भी भोजन पदार्थ उसके पास था, और वह निकाल लाया और आपके सामने सब से अच्छा वाला रखा। वह जानता था कि यह परमेश्वर उसके सामने है। तब उसने कहा, "साराह कहाँ है?" जैसे कि वह ना जानता हो। और आप...

137 अब्राहम ने उससे कहा कि, "वह तंबू में है... वह तम्बू में है, आपके पीछे।"

138 और आपने कहा कि क्या घटित होने जा रहा है। और उसने अपने ह्रदय में इस पर संदेह किया। और तब आपने—आपने अब्राहम से कहा, "साराह ने इस पर क्यों सन्देह किया, 'यह बातें नहीं हो सकती'? क्या परमेश्वर के लिए कोई बात कठिन है?"

139 हे परमेश्वर! यीशु, परमेश्वर का प्रगट किया हुआ वचन, आपने कहा, "जैसा सादोम के दिनों में था," संसार उस स्थिति में होगा जब अन्यजाति संसार का विनाश, अर्थात् अन्यजाति का समयकाल होगा। हम यही पर हैं, सदोमी बीज कोष से! और तब आपने कहा कि मनुष्य का पुत्र, जिसका सदा "भविष्यवक्ता," के समान उल्लेख किया गया, उस घडी में प्रगट होगा। हे परमेश्वर तेरे वचनों को पूरा कर। हम, तेरे विश्वासी बालक, निष्कपट ह्रदयो से प्रतीक्षा करते है, कि हमें विश्वास दे, प्रभु, कि, जब हमारी प्रार्थना पंक्ति हो, तो लोग विश्वास करें। यह सांझ का समय है, पिता। परमेश्वर के पुत्र का सांझ का उजियाला होने दो (वह जो था, और जो है, और जो आने वाला है) स्वयं को भविष्यवाणी के द्वारा प्रगट करता है जो उसने की है। वह यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

140 अब मैं रोगियों के लिए प्रार्थना करने के लिए—के लिए तैयार हूं। परंतु यह विचित्र बात है, कि कैसे जब हम यहां खड़े होते हैं। और यहां मैं खड़ा होता हूं और लोगो को चुनौती देता हूं, और राष्ट्रों में दूर संचार से जुड़े हुए,

कि परमेश्वर अब भी परमेश्वर है। वह असफल नहीं हो सकता। और जो उसने प्रतिज्ञा की कि वह करेगा। वह यह करने के लिए कभी भी असफल ना होगा, क्योंकि उसने यह करने की प्रतिज्ञा की है। इसलिए मैं उसमें अपना पवित्र विश्वास रख सकता हूं जिसमें कि उसने कहा। इसलिए मैं उसके आगमन की प्रतीक्षा करता हूं, मैं किसी भी समय उसके प्रगट होने की राह देख रहा हूं, क्योंकि उसने कहा, "उस घड़ी जिसमें तुम सोचते भी ना होंगे," संसार सोचता ना होगा, "तब वह प्रगट होगा।"

141 अब, जहाँ तक मैं जानता हूँ... मैं यहाँ अपने आराधनालय में हूं, और यहाँ थोड़े से लोग बैठे हुए हैं जिन्हें मैं—मैं नहीं जानता हूँ। भाई राईट्स, और थोड़े से लोग ठीक यहां पर बैठे हुए हैं, यही है जिन्हें मैं जानता हूं। परन्तु बहुत से हैं जिन्हें मैं नहीं जानता। और मेरे पास यह कहने का कोई तरीका नहीं है कि परमेश्वर आज रात्री इसे करेगा। हमने उसे यह करते हुए वर्षों और वर्षों से देखा है, परन्तु सम्भव है वह आज रात्री यह ना करे। मैं नहीं जानता। यह उस पर निर्भर करता है। वह प्रभु स्वयं–प्रभु है। वह जो चाहता वह करता है। उसे कोई नहीं बता सकता कि उसे क्या करना है। वह एकान्त में वास करता है, अपनी इच्छा और अपने मार्गों में। परन्तु क्योंकि उसने यह प्रतिज्ञा की है, मैं उससे प्रार्थना कर रहा हूं कि यह करे। हमारे निमित्त नहीं, जिसकी हमें आवश्यकता है, परन्तु हो सकता है कुछ अपरिचितो के लिए, कि पवित्र आत्मा का अभिषेक हो जाये... अब अभिषेक हम पर है। अब, इससे कोई मतलब नहीं कि वह मुझे कितना अभिषेक करता है, उसे आपको भी अभिषेक करना है, निश्चय ही, विश्वास करे।

142 अब मैं प्रार्थना पंक्ति को लेना चाहता हूं, और जितना मैं कर सकता हूं रोगियों के लिए प्रार्थना करना चाहता हूं। अब, या तो हम पंक्ति को ले सकते है, कि लोगों को बुलाये और प्रार्थना पंक्ति यहां पर लाकर और प्रत्येक के लिए जो रोगी है प्रार्थना करे, मैं समझता हूँ, हमारे सेवक भाइयों हमारे साथ यहां आ जाये, और आप लोगों पर हाथो को रखे। निश्चय ही हम यह कर सकते हैं। या फिर हम अपने पिता से मांग सकते हैं, वही केवल एक है जो आपके लिए कुछ भी कर सकता है, क्योंकि मेरे हाथ एक मनुष्य के है जैसे आप मनुष्य के। परन्तु बात यह है, यह मानव के हाथ नहीं है जो यह करते है; यह परमेश्वर का वचन है। वचन में विश्वास है जो यह करता है। इस विषय में कोई वैज्ञानिक चीज नहीं है, यह पूर्णत: अवैज्ञानिक है।

143 मसीही के पास उसके हथियारो में एक भी चीज नहीं है जो वैज्ञानिक हो। क्या आपको मालूम पड़ गया? प्रेम, आनंद, शांति, सहनशीलता, भलाई, नम्रता, सज्जनता, धीरज, विश्वास, पवित्र आत्मा, विज्ञान के द्वारा यह सारी चीजें ना दिखने वाली है। और केवल यही चीज है जो वास्तविक और ठहरने वाली है। हर एक चीज जो आप देखते हैं पृथ्वी में से आती है और वापस पृथ्वी में चली जाती है। परन्तु वे चीजें जो आप अपनी आंखों से नहीं देख सकते, परन्तु इसे देखना स्वयं को घोषित करता है, यह अनंता का संसार है।

144 क्या आप विश्वास करेंगे, यदि परमेश्वर स्वयं को प्रगट करे और दर्शाए कि वह यहां जीवित है, उन्हीं कार्यो को कर रहा है जो उसने आरंभ में किए, इस संदेश के पश्चात, क्या आप इसे अपनी चंगाई के रूप में स्वीकार करेंगे? परमेश्वर इसे प्रदान करे। अब मैं इस घर में किसी से भी पूछ रहा हूं, कोई मतलब नहीं आप कौन हैं या आप कहां से हैं, मैं आपसे केवल सत्यभाव से कह रहा हूं कि इस सन्देश का सत्य होने का विश्वास करे। यही वह संदेश है जो परमेश्वर के पास बाईबल में इस घड़ी के लिए है, कि आज रात्री यीशु मसीह यहां पर है और जीवित है। अब लगभग...

145 आप सब लोग मेरे बारे में जानते हैं, मैं ठीक इसी नगर में हूं जहाँ में पाला–पोसा गया था। मेरे पास व्याकरण स्कूल की शिक्षा भी नहीं है। यह बिल्कुल सत्य है। और आप मुझे लम्बे समय से जानते हैं, मैं आशा करता हूं कि मैंने आपके सामने ईमानदार और सच्चा जीवन बिताया है। मैं एक ढोंगी नहीं हूं। यहां तक कि मेरे आलोचक भी यह नहीं कहते। वे, वे बस कहते हैं, "आप—आप एक ढोंगी नहीं है, परन्तु आप केवल साधारण रूप में बस गलत है। आप केवल अज्ञानता में गलत हो, जानबूझ कर नहीं।" मैं नहीं सोचता कि मैं अज्ञानता में गलत हूं, क्योंकि परमेश्वर का वचन मेरे संदेश की पुष्टी करता है, और इसे आपको बताना चाहिए कि यह कौन है। और आप स्पष्ट रूप से मुझे कहते हुए सुनते हैं कि यह मैं नहीं हूं, इसलिए यह उसे ही होना चाहिए। क्या यह ठीक बात है? परमेश्वर में विश्वास रखें। तब इस ओर देखें, और आप परमेश्वर पर विश्वास करते हैं। यदि आप परमेश्वर पर विश्वास कर सकते हैं, तो परमेश्वर आपको प्रदान करेगा। यदि वह ऐसा कर सकता है जैसा उसने पहले किया, तो फिर वह अब भी परमेश्वर है। आप इसका विश्वास करते हैं?

146 आप इसका विश्वास करते हैं? एक महिला जो यहां मेरे सामने बैठी है, मेरी ओर देख रही है, आंसू उसकी आंखों में है, सच्ची है। मैं नहीं जानता कि वह कौन है, उसे मैंने कभी नहीं देखा। मैं आपके लिए अपरिचित हूं। क्या आप सोचती हैं कि परमेश्वर आपके हृदय के भेद को जानता है, आपकी इच्छाओं, या आपके पापो को, या यह जो कुछ भी है? आप सोचती हैं कि वह जानता है? आप सोचती हैं कि वह मुझ पर जो आपका पाप है प्रगट कर सकता है, जो आपने किया है जो आपको नहीं करना चाहिए था, या आपकी जो भी इच्छा हो? यदि वह यह करता है, तो क्या इससे आपका विश्वास उस पर बनेगा, और जान जाये कि यह वही होना चाहिए? क्या आप इसे उसी के समान स्वीकार करेगी? यह आपका पाप आपको परेशान नहीं कर रहा है; आपने उसे स्वीकार कर लिया है। परन्तु आप उसके पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के लिए प्रतीक्षा कर रही हैं। यह आपको मिलेगा। मैं देखता हूं कि यह उसके आर–पार हो गया।

147 ताकि आप जान सके कि मैं उस स्त्री की ओर देख रहा था, वह मेरी ओर देख रही थी, मैं आपको पवित्र आत्मा दिखाना चाहता हूं। यहाँ इस साधारण महिला की ओर देखिए, जो यहाँ मेरे पैरों के नीचे बैठी है। जब मैंने यह कहा, यही वह चीज है जो वह चाहती थी, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा। आप विश्वास करती है कि आप इसे प्राप्त करेंगी, बहन? तो फिर अपना हाथ उठाये। जानकारी में, मैंने इस महिला को कभी नहीं देखा।

148 देखिए यह व्यक्ति यहाँ नीचे अपना सिर झुकाए हुए बैठा है, उसका कॉलर ठीक नही है, और आदि–आदि। आपको मूत्राशय का रोग हैं। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा? यदि आप इसे स्वीकार करते है तो अपना हाथ उठाये। तो ठीक है, परमेश्वर ने आपके निवेदन को आपको दे दिया है।

149 यह युवा पुरुष यहां पर बैठा है, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा चाहता है। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर यह आपको देगा; श्रीमान, आपकी सफेद घारी की टाई जो पीछे लटक रही है? परमेश्वर यह प्रदान करेगा।

150 यह पुरुष यहां अपनी पत्नी के लिए प्रार्थना कर रहा है। वह एक संस्थान में है। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर उसे चंगा करेगा, उसे स्वस्थ कर देगा? आप विश्वास करते हैं? तो आपके पास ये हो सकता है।

151 आपका हाथ आपके गले पर जो है आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर

हृदय की उस स्थिति को ठीक कर सकता है जो आपको परेशान कर रही है, पेट का रोग जो आपको है? इस समय आप वहां बैठे हुए, इससे पीड़ित है। क्या यह ठीक बात है? आप विश्वास करते हैं कि वह आपको चंगा करता है? तो आपके पास ये हो सकता है। आमीन।

152 आप देखिए कि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। उन लोगों से पूछे, यदि मैं उन्हें जानता हूं। तो मैं नहीं, परन्तु वह करता है। आमीन। देखिए सामने दीवार की ओर पर ज्योति ठीक वहां नीचे एक व्यक्ति के ऊपर है जो वहां बैठा हुआ है। वह पीछे रीढ़ की हड्डी की हड्डी की बीमारी से पीड़ित है। वह यहां से नहीं है, वह जॉर्जिया से है। श्रीमान डंकन, अपने पूरे हृदय से विश्वास करें, परमेश्वर उस पीठ की परेशानी को चंगा करेगा। आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हैं? परमेश्वर आपको आशीष दे।

153 यहाँ एक व्यक्ति है जो यहाँ पीछे बैठा हुआ है, पीठ की तकलीफ के साथ, मेरी ओर देख रहा है। मैं उसे नहीं जानता, लेकिन यह श्रीमान थॉम्पसन है। आप विश्वास करते हैं? उठकर खड़े हो, श्रीमान, वहां पीछे, ताकि... मैं आपके लिए एक अपरिचित हूं। यह सही है। लेकिन आप वहां बैठे हुए हैं, प्रार्थना कर रहे हैं। आपकी पीठ की परेशानी अब ठीक हो गयी है। यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

154 "यह लगभग सांझ के समय उजियाला होगा।" क्या आप नहीं देखते? वह आज रात यहां पर है! वह महान **मैं हूं** है। वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। क्या आप इसे विश्वास करते हैं? क्या आप संतुष्ट और आश्वस्त हैं कि यह यीशु मसीह है जो स्वयं को ज्ञात करवा रहा है, भविष्यवाणी में स्वयं की पहचान दे रहा है?

155 आंख के विषय में चिंता मत करो। परमेश्वर बीमारों और पीड़ितों को चंगा करता है।

156 कितने लोग... कितने लोग यहां पर है, जो बीमार है? आइए आपके हाथों को देखें। बस ऐसा प्रतीत होता है जैसे यह बहुत खींचाव और तनाव है। क्या आप लोगों में से किसी के पास प्रार्थना कार्ड हैं? " मुझे नहीं पता कि मैं तुम्हें यहाँ से कैसे निकाल पाऊंगा। मैं तुम्हारे लिए प्रार्थना करना चाहता हूँ, और मुझे नहीं पता कि इसे कैसे करना है। आप देख रहे हो क्या, दीवार की ओर देखो, मैं उन्हें वहाँ कैसे लाऊंगा? यदि एक गलियारा जाम हो गया तो क्या होगा? आपने दूसरे वाले को ठीक वहीं रोक दिया है,

हर कोई अब भी रुका हुआ है।

157 सुनना, मुझे सुने। क्या मैंने तुम्हें कभी कुछ प्रभु के नाम पर कहा है जो पूरा नहीं हुआ? क्या ये सही है? हर एक चीज हमेशा ही सही रही है। मैंने कभी भी आपसे अपने जीवन में एक भी पैसा नहीं मांगा, क्या मैंने मांगा? एक बार भी नहीं। मेरे जीवन में एक चंदा नहीं लिया। मैं यहां पैसे के लिए नहीं हूं। मैं यहां आपको धोखा देने के लिए नहीं हूं। मैं यहां इस घड़ी के लिए परमेश्वर का वचन प्रगट करने के लिए हूं। मैंने आपको सत्य बता दिया, और परमेश्वर ने गवाही दी है कि यह सत्य है। अब मैं आपको बताता हूं, कि **वचन यों कहता है**, कि यदि विश्वासी अपने हाथो को बीमारों पर रखे, यीशु ने कहा, "वे चंगे हो जायेंगे!" क्या आप इसका विश्वास करते हैं? तब, यदि परमेश्वर की उपस्थिति में, क्या आप विश्वास नहीं करते कि वह ठीक अभी करेगा?

158 अब अपने हाथों को एक दूसरे पर रखें, और एक मिनट तक रुके रहे। अब, प्रार्थना नही—नही करें, केवल अपने हाथों को एक दूसरे पर रखें; और वहां, उस ज़मीन पर। और मैं, स्वयं, मैं अपने हाथों को इन रूमालों के ऊपर रख रहा हूं। अब मैं चाहता हूं कि आप मेरी ओर एक मिनट के लिए देखें। परमेश्वर ने क्या अधूरा छोड़ा है? देखो वह कैसा है, जो वचन हमने पढ़ा है, वे भविष्यवाणियां जो कि हमने आपको बताई हैं, कि यीशु ने स्वयं को भविष्यवाणियों के द्वारा प्रमाणित किया। अब समय को देखें, और इस अंतिम तीन सप्ताहों में जहां हमने समय को यथा स्थान पर रखा है जिसमें हम रह रहे हैं। उसे देखिए जो हमने पढ़ा है, झूठे भविष्यद्वक्ताओं के विषय में क्या है और लगभग वही चिन्ह जो चुने हुओं को धोखा दे देंगे। वचन किस प्रकार से प्रगट हुआ, कैसे इस युग के ईश्वर ने झूठ को अंधा कर दिया... लोगों के ह्रदयो को। और किस तरह से उस परमेश्वर ने स्वयं अपनी भविष्यवाणियों के द्वारा कहा कि यह बातें इस लौदिकिया के युग में घटित होंगी। कुछ भी अधूरा नहीं छुटा। परमेश्वर यहां वैसा ही परमेश्वर है जिसने उन लोगों से इम्माऊस में बातें की, जिसने स्वयं को भविष्यवाणियों के द्वारा प्रमाणित किया जो उसके विषय में पहले से कही गई, वह आज रात्री यहां पर है, अपनी उपस्थिति को पहले से बताई गई भविष्यवाणियों के द्वारा जो इस युग के लिए है प्रमाणित कर रहा है। वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। क्या आप इसका विश्वास कर सकते हैं? तो फिर अपने हाथों को एक दूसरे पर रखें। अपने लिए प्रार्थना ना करें, परन्तु अपने तरीके

से उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें जिस पर आपका अपना हाथ है, क्योंकि वे आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। अब देखिए, संदेह ना करें।

159 और अब यदि आप देख सके जो मैं क्या देख रहा हूं! और आप जानते हैं कि मैं आपसे झूठ नहीं बोलूंगा, यहां पर खड़े होकर। यदि आप देख सके, और आपका विश्वास उस महान पवित्र आत्मा को खींच सके जो यहां हवा—हवा में तैर रहा है, जिसका चित्र विज्ञान ने उतरा है, और इसे इस भवन में घूमते हुए देखे, और उस स्थान को ढूंढने का यत्न कर रहा है कि—कि वहां उतरे, जहां उतरे, लंगर वाले स्थान को ढूंढने का यत्न कर रहा है। केवल इसका विश्वास करें, मेरे भाई। उसने इसे पवित्र वचन के द्वारा प्रमाणित किया है और आदि-आदि, यह ठीक बात है। अब जिसके ऊपर आपने हाथ रखा हुआ है उसके लिए सच्चाई से प्रार्थना करें; वे आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

160 नासरत के प्रिय यीशु, क्योंकि, हम सचेत हैं, प्रभु, वचन के द्वारा, कि आप यहां पर हैं, इस प्रतिज्ञा के द्वारा आप यहां पर हैं, "जहां कहीं मेरे नाम से दो या तीन एकत्र होंगे, वहां मैं उनके मध्य में हूं। और विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे; यदि वे बीमारों पर हाथ रख देंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।" टेलीफोन की उन तरंगो पर बाहर, होने दे कि महान पवित्र आत्मा हर श्रोतागण की सभा में जाए। होने दे कि वही पवित्र आत्मा जिसको हम यहां कलीसिया में देख रहे हैं, होने पाए कि यह प्रत्येक पर उतरे, और होने पाये वे भी इस समय चंगे हो जाये। हम शत्रु को फटकारते है, शैतान को, मसीह की उपस्थिति में; हम शत्रु से कहते हैं, कि वह पराजित हो गया है उस—उस प्रतिनियुक्त पीड़ा के द्वारा, प्रभु यीशु की मृत्यु और तीसरे दिन की जयजयकार पुनरुत्थान में; और उसकी यहां प्रमाणित उपस्थिति कि वह आज रात्री हमारे मध्य में है, जीवित है, उन्नीस सौ वर्षों पश्चात। जीवते परमेश्वर का आत्मा प्रत्येक हृदय को विश्वास और सामर्थ से भर दे, और चंगाई के गुण जो यीशु मसीह के पुनरुत्थान से है, अब इस महान गोल ज्योति से इस कलीसिया में उसकी उपस्थिति में कौन प्रमाणित हुआ। यीशु मसीह के नाम में, इसे परमेश्वर की महिमा के लिए प्रदान करें।

161 होने पाए कि यह रूमाल जिन पर हम प्रार्थना कर रहे हैं, होने पाए यह बीमारों और दुखियो के पास जाए जो इसके लिए विचार करते है। होने दे कि वही पवित्र आत्मा जो अब यहां पर है स्वयं की पहचान देते हुए, हर

एक रोगी के ऊपर स्वयं को प्रमाणित करे, जिस पर यह रखा गया है। होने पाए कि परमेश्वर की उपस्थिति उनके ह्रदय में विश्वास के साथ इतनी भर जाए जब तक कि उनकी देह का रोग चंगा ना हो जाए। यह हम परमेश्वर की महिमा के लिए यीशु मसीह की उपस्थिति में मांगते है और यीशु मसीह के नाम में, जैसा कि हम यीशु मसीह के दास इसे मांगते हैं। आमीन।

162 अब आपके ह्रदय में, मैं चिन्ता नहीं करता कि आपके साथ क्या गडबड है, क्या आप अपने ह्रदय से, अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते है कि परमेश्वर का वचन आपके निवेदन को प्रदान कर चुका है? मैं विश्वास करता हूं कि प्रत्येक हाथ, जो मैं देख सकता हूं, ऊपर उठा। यदि आप विश्वास करते हैं, तो स्मरण रखिए, कि यह समाप्त हो गया है।

163 आप जो बाहर टेलीफोन प्रसारण पर है, यदि आपने अपने पूरे ह्रदय से विश्वास किया है, जैसा कि सेवक लोग आप पर हाथ रखे हुए हैं, और आपके प्रिय लोग आप पर हाथ रखे हुए हैं, यदि आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं कि यह समाप्त हो गया है, तो यह समाप्त हो गया है। वो महान पवित्र आत्मा, वह यहां आज रात्री आराधनालय में है। मैंने उसे लोगों के ऊपर मंडराते हुए देखता हूं, स्वयं को यहां दीवार की ओर दर्शाया है, और एक मनुष्य पर नीचे उतरा, और पूरे भवन से होते हुए यहां आया, ह्रदयो के गुप्त विचारो को बता रहा है, उसके उपस्थिति का प्रमाण, यह दर्शाने के लिए कि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है। वह हमारे मध्य में है! वह परमेश्वर है, कभी ना असफल होने वाला परमेश्वर।

164 और क्या हमारे ह्रदयो में उत्तेजना ना हुई, और अब नहीं हो रही है, यह जानते हुए कि हम अब पुनरुत्थीत यीशु मसीह की उपस्थिति में हैं, जिसकी महिमा और तारीफ सदा के लिए होती है; जो यहोवा सर्वशक्तिमान के प्रगट स्वरूप में है; जो आग के खम्बे के रूप में जलती हुई झाड़ी में उतर आया, कि भविष्यवक्ता के ध्यान को आकर्षित करे; जो पहाड़ पर नीचे उतरा था, और जो कोई भी इसे छूता था, उसे मार डाला जाना था, सिवाय मूसा और यहोशू के। कैसे उसने इस्राएल के बच्चों को जंगल में से होते हुए उनकी यात्रा में मार्गदर्शन किया, आज बाहर बुलाए गए लोगों के नमूने के रूप में। यहां वह वैज्ञानिक अनुसंधान के द्वारा, यहां तक कि विज्ञान के सामने स्वयं को प्रमाणित किया। और उसके उन्हीं कार्यो के द्वारा और उसी भविष्यवाणी के द्वारा, वे बातें जो उसके लिए इस दिन में करने के लिए भविष्यवाणी की

गई है, ताकि उसे कल, आज और युगानुयुग एक सा बना दे, जो सिद्ध रूप से प्रमाणित हुआ है। क्या यह हमारे ह्रदयो को हमारे भीतर जलाने के लिए पर्याप्त नहीं है? परमेश्वर आपको आशीष दे।

165 अब एक मत के साथ, आइए हम खड़े होकर कहे: "अब मैं यीशु मसीह को बचाने वाला और चंगा करने वाला स्वीकार करता हूं। और उसके अनुग्रह के द्वारा, इस समय से आगे को, हे परमेश्वर, कोई भी अविश्वास कभी मेरे ह्रदय में प्रवेश ना करे, क्योंकि मैंने देख लिया है कि भविष्यवाणी आज के दिन की पूरी हुई। मैं विश्वास करता हूं कि यीशु मसीह जीवित है और अब यहां पर अपने वचन की पुष्टि कर रहा है। इस घड़ी की भविष्यवाणियां जो उसके लिए लिखी गई, अब हमारे मध्य में पूरी हुई है। वह मेरा बचाने वाला है, मेरा परमेश्वर, मेरा राजा, मेरा सब कुछ।"

166 प्रिय परमेश्वर, हमारी गवाही को सुन। और हमें दिन प्रतिदिन जीवन की रोटी दे। और ह्रदय की गहराई से हम तेरी महिमा करते हैं, हे परमेश्वर। वो एक सामर्थी, हम तेरी महिमा करते हैं, भविष्यवक्ताओं का परमेश्वर। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

ओह, क्या ही क्षण है, क्या ही समय है!

... केवल विश्वास करें;
केवल विश्वास करें, बस केवल विश्वास करें,
सारी बाते संभव है, केवल विश्वास करें।

होने पाए हम इसे इस प्रकार से गा सकते है।

अब मैं विश्वास करता हूं, ओह, अब मैं विश्वास करता हूं,
सारी बाते संभव है, अब मैं विश्वास करता हूं;
अब मैं विश्वास करता हूं, ओह, अब मैं विश्वास करता हूं,
सारी बातें संभव है, अब मैं विश्वास करता हूं।

क्या यह आपकी गवाही है? अब जैसे कि हम अपने सिरों को झुकाते हैं:

जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम नहीं मिलते!
जब तक हम यीशु के चरणों में नहीं मिलते;

जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम नहीं मिलते!
परमेश्वर आपके साथ हो जब तक हम फिर से नहीं
मिलते!

[भाई ब्रन्हम गुनगुनाते हैं, *परमेश्वर आपके साथ हो*—सम्पा।] (क्या आप कुछ कहना चाहते हैं? वायल।)

... यीशु के चरणों में;
जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम नहीं मिलते!
परमेश्वर आपके साथ हो जब तक हम फिर से नहीं
मिलते!

167 अपने झुके हुए सिरों के साथ, भाई वायल यहां पर प्रार्थना के साथ समाप्त करने के लिए खड़े है। भाई ली वायल, यह आराधनालय के लिए लेखक है, साहित्य और पुस्तको और आदि–आदि के लिए। बहुत ही बहुमूल्य भाई, वो बहुत सी बेदारी सभाओ में मेरे साथ रहा है। चाहता हूं कि मेरे पास अवसर होता कि मैं हर सेवक को यहां ऊपर लाता और उनसे बातें करता। आप समझते हैं, मैं वास्तव में चाहता हूं। हर एक सेवक, आप लोगो को यहां पाकर हम आनन्दित हैं। सारे जनसाधारण, विभिन्न कलीसियाओ के लोग, इसके अलावा जो भी है, हम आप लोगो को यहां पाकर प्रसन्न हैं। और वास्तव में हमारी यह प्रार्थना एक दूसरे के लिए है, "परमेश्वर आपके साथ हो जब तक हम फिर से नहीं मिलते।" अपने झुके हुए सिरों के साथ, और हमारे उठे हुए हाथो के साथ, आइए हम इसे फिर से गाए परमेश्वर के लिए मिठास के साथ।

जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम नहीं मिलते!
जब तक हम यीशु के चरणों में नहीं मिलते!
जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम नहीं मिलते!
परमेश्वर आपके साथ हो जब तक हम फिर से नहीं
मिलते!

65-0801E घटनायें भविष्यवाणी के द्वारा सपष्ट हुई
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org